मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, सोमवार 02 नवंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-348, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

पौने तीन वर्ष में प्रदेश के समग्र विकास के लिए उठाए गए अनेक कदम, प्रधानमंत्री मोदी ने दीं मध्यप्रदेश को अनेक सौगातें

उद्योग, रोजगार, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यटन और विरासत के संरक्षण में सबसे आगे मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव





एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योग, रोजगार, कृषि, दुग्ध उत्पादन, पर्यटन और विरासत के संरक्षण में सभी प्रदेशों से आगे हैं। आने वाले समय में इन उपलब्धियों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तीन दिवसीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलदीप प्रज्ज्वलित कर राज्योत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वस्ति वाचन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की बधाई दी और कलाकारों का स्वागत भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक चेतना विराट है। हम सभी इसे नमन करते हैं। प्रदेशवासी सौभाग्यशाली हैं। मध्यप्रदेश का गठन किसी एक व्यक्ति के विचार या काल खंड की देन नहीं हैं। यह हमारे प्रदेश की परिश्रमी संस्कृति और संस्कारवान जनमानस का प्रतिफल है। मध्यप्रदेशवासियों की समर्पण भावना सराहनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग वर्ष के माध्यम से जहां वर्ष 2025 में युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार देने का कार्य हुआ वहीं वर्ष 2026 में किसान कल्याण वर्ष में कृषि क्षेत्र का विकास हुआ है। लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों को आज ही 490 करोड़ की राशि सब्सिडी के रूप में दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में 12 लाख करोड़ का निवेश जमीन पर उतरा है। यह क्रम जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि की ग्रोथ रेट चौबीस प्रतिशत से अधिक है। किसानों से विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि लेने पर चार गुना राशि देने का निर्णय लिया गया। सिंचाई क्षेत्र का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में तीसरे से प्रथम स्थान पर आयेगा। प्रदेश पर्यटन विकास और विरासत के संरक्षण में भी सबसे आगे है। मध्यप्रदेश अपनी अलग पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल युवा वर्ष के पहले ही महीने में 15 जनवरी को सेना दिवस की आकर्षक गतिविधियों का साक्षी बनेगा। भोपाल में इस गरिमामय कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह पधारेंगे। हमारी सेना के जवान राष्ट्र की रक्षा के लिए दिन-रात सजग रहते हैं। इस कारण ही हमारा लोकतंत्र सुरक्षित है। भारत दुनिया के ऐसा देश है जो अपने दुश्मन देश के घर जाकर उसे मार सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेना का हौसला बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के शौर्य स्मारक में प्रदेश का स्थापना दिवस मनाकर कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। भोपाल में सेना दिवस का अद्भुत आयोजन राष्ट्र भक्ति और देश प्रेम के भाव को सशक्त बनाने का कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पौने तीन वर्ष में प्रदेश के समग्र विकास के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को अनेक सौगातें दी हैं।

मेधावी विद्यार्थियों और किसानों का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 102 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के अंतर्गत 1-1 लाख रुपये की सम्मान राशि और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। किसान स्वाभिमान पर्व क्विज के विजेताओं को ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल और ई-स्कूटर वितरित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। लाल परेड ग्राउंड में महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ द्वारा तैयार राजा भोज का भोपाल विषयक 160 वॉटर कलर चित्रों की विशेष प्रदर्शनी तथा उन्नत कृषि तकनीकों और जैविक खेती पर केंद्रित राज्य स्तरीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई। मुख्य सांस्कृतिक समारोह के शुरूआत में देशराग के अंतर्गत 71 बच्चों द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन, पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान और नयनाभिराम आतिशबाजी हुई।

किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज के विजेताओं और मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज और भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज में भोपाल जिले के विजेता प्रथम श्री संदीप वर्मा, द्वितीय सुश्री सुहानी राजपूत एवं तृतीय श्री समीर गौड़के को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर भोपाल जिले के विजेता सुश्री अक्षरा गोस्वामी - शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज (विद्यालय वर्ग) एवं श्री प्रीतम मांडलेकर - सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक (विद्यालय वर्ग) को पुरस्कृत किया गया। उल्लेखनीय है कि किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 165 विजेताओं का चयन किया गया है। पुरस्कार वितरण ने प्रदेश की विकास यात्रा में कृषि समृद्धि, प्रतिभा प्रोत्साहन और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को रेखांकित किया।

9 साल में अक्टूबर की हवा सबसे साफ

दिल्ली-एनसीआरमें 50% वर्क फ्रॉम होम, पुरानी गाड़ियों पर रोक

एजेन्सी, नई दिल्ली



दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए 1 नवंबर से नई पाबंदियां लागू हो गई हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड BS-VI से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी। इसके चलते रविवार सुबह दिल्ली-गुरुग्राम सरहौल बॉर्डर पर NH-48 की दिल्ली जाने वाली मुख्य सड़क और सर्विस लेन पर करीब 1 किमी लंबा जाम लग गया।

सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में 50% कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। वहीं, कई पब्लिक पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने की फीस दोगुनी कर दी गई है।

हालांकि, राहत की बात है कि दिल्ली में अक्टूबर के दौरान पिछले 9 साल में सबसे साफ हवा दर्ज की गई। इस महीने औसत अदक166 रहा। दिल्ली सरकार ने जुलाई 2026 में प्रदूषण रोकने के लिए विंटर प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण से जुड़े नियम लागू रहेंगे। इस बार भी 1 नवंबर से इन प्रतिबंधों की शुरूआत हो गई है। पहले प्रदूषण बढ़ने के बाद ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के तहत पाबंदियां लगाई जाती थीं। लेकिन अब कुछ नियम पहले से तय तारीख पर लागू होंगे। यानी हवा खराब होने का इंतजार नहीं किया जाएगा।

GRAP यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान। इसे जनवरी 2017 में लागू किया गया था। इसका मकसद दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता खराब होने पर प्रदूषण के स्तर के हिसाब से पाबंदियां लगाना है। इसके तहत अदक के आधार पर चार चरणों में प्रतिबंध लागू किए जाते हैं।

नड्डा बोले- आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ, राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले

एजेन्सी, नई दिल्ली

इण्डिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में रक्फ़के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी।

वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं।



केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोहतक में कहा- ये पदयात्रा देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए है। लोग पूछते हैं कि दिल्ली से लेकर ज्यादातर राज्यों में आपकी सरकार है, तो लोकतंत्र बचाने की जरूरत क्यों पड़ी?

जब ऐसा विपक्ष हो, जो जनादेश का अपमान करता हो, तब जनता के साथ सड़कों पर लोकतंत्र की आवाज बनकर उन्हें चुनौती देने का काम एनडीए का कार्यकर्ता करता है।

राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं : नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा कि त्योहारों का सीजन है। साल भर व्यापारी इंतजार करते हैं कि त्योहारों में दो पैसे कमाई होगी। लेकिन राहुल को इनकी परवाह नहीं। उळकने चार-चार बार उन्हें चिट्ठी लिखकर गुहार लगाई कि इतना बड़ा प्रदर्शन मत करिए लेकिन राहुल के तमाशे के कारण 10 हजार करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कारण उनका धंधा बंद हो गया है। इंडिया ब्लॉक के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप भी इस पाप में साझेदार है। क्या आप भाजपा से नफरत करते करते देश की जनता से भी नफरत करने लगे हैं। नड्डा ने कहा कि राहुल विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं। क्या यही आपका एजेंडा है। भारत की जनता आपके झांसे में नहीं आएगी। आप दिल्ली के व्यापारियों का हिसाब देने से नहीं बच सकते।

केजरीवाल की गारंटियां पूरी नहीं, भाजपा जॉइन करेंगे



एजेन्सी, पटियाला

पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। हालांकि अभी इनकी सीट से कोई नया उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है। जौड़ामाजरा AAP सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था।

वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दोनों विधायकों ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में नशा, फसलों पर MSP, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर जो-जो गारंटियां दी थीं, वह पूरी नहीं हुईं। दोनों विधायक कल दिल्ली में BJP में शामिल होंगे।

दिल्ली में कई जगह जाम: विपक्ष की रैली से व्यापारियों को झटका

चलो दिल्ली रैली के बाद थमी राजधानी की रफ्तार, कई इलाकों में रेंग रहे वाहन

एजेन्सी, नई दिल्ली

रविवार को रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के कारण मध्य दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम देखा गया। पुलिस ने बताया कि सड़क बंद होने के कारण आईटीओ सहित कई क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही धीमी रही। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विपक्षी दलों द्वारा कथित वोट चोरी के विरोध में यह रैली आयोजित की गई थी। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। इससे क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ गई। कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंध भी लगाए गए थे।

दिल्ली यातायात पुलिस ने रैली से पहले एक विस्तृत परामर्श जारी किया था। इस परामर्श में यातायात मोड़, प्रतिबंध और वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करना था। यह परामर्श विशेष रूप से रामलीला मैदान और आसपास के क्षेत्रों की ओर यात्रा करने वालों के लिए था। पुलिस ने लोगों से इन निर्देशों का पालन करने की अपील की थी।



इन व्यवस्थाओं के बावजूद, रविवार शाम को कई व्यस्त मार्गों और चौराहों पर भारी यातायात देखा गया। विशेष रूप से आईटीओ पर वाहन चालकों को काफी असुविधा हुई। यातायात जाम के कारण वाहनों की गति बहुत धीमी हो गई थी। पुलिस कर्मी प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर तैनात थे। उनका कार्य वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करना और यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाना था।

सीटीआई का दावा- 80 फीसदी दुकानें रहीं बंद, 11 हजार करोड़ का हुआ नुकसान

इंडिया गठबंधन की रैली का असर राजधानी के कारोबार पर भी देखने को मिला। व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दावा किया है कि रैली के कारण दिल्ली के व्यापार को करीब 11,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। संगठन के मुताबिक, रैली वाले दिन राजधानी के करीब 80 प्रतिशत बाजारों की दुकानें बंद रहीं। इससे दिवाली से पहले खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि रैली से पहले करीब 10 लाख लोगों के जुटने की संभावना जताई गई थी। इसके लिए 15 से 20 हजार वाहनों के दिल्ली पहुंचने का अनुमान था। इसी वजह से राजधानी में कई दिनों से ट्रैफिक प्रतिबंधों और आवाजाही को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

2.5 लाख दुकानें बंद रहने का दावा

समाचार एजेंसी से बातचीत में बृजेश गोयल ने बताया कि सामान्य दिनों में दिल्ली के बाजारों में खरीदारी और कारोबार के लिए रोजाना 3 से 4 लाख लोग बाहर से आते हैं। हालांकि, रैली वाले दिन ग्राहकों की संख्या काफी कम रही। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान के आसपास के 22 से 25 प्रमुख बाजारों में करीब 3 लाख दुकानें हैं। बाजार संघों से मिली जानकारी के आधार पर अनुमान है कि शाम तक लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं। यह कुल दुकानों का करीब 80 प्रतिशत है। जो दुकानें खुली थीं, वहां भी कारोबार बेहद कम हुआ।

राहुल गांधी को चार बार लिखा था पत्र

बृजेश गोयल ने बताया कि सीटीआई ने रैली से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चार बार पत्र लिखकर कार्यक्रम स्थगित करने की अपील की थी। करीब 100 प्रमुख बाजार संगठनों ने भी इस संबंध में मांग उठाई थी। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की इस मांग के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। व्यापारी केवल दिवाली के सीजन में अपनी आजीविका और कारोबार को सुरक्षित रखना चाहते थे। गोयल ने राहुल गांधी की उस अपील का स्वागत किया, जिसमें उन्होंने रैली में शामिल लोगों से दिल्ली के बाजारों में खरीदारी कर व्यापारियों की मदद करने को कहा था।

त्योहारी बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त

लोडिंग-अनलोडिंग का समय तय नहीं बाजारों में कभी भी घुस रहे भारी वाहन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन इस रौनक के बीच शहर की ट्रैफिक व्यवस्था दम तोड़ती नजर आ रही है। बाजारों की सड़कों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। दुकानदारों ने दुकानों के बाहर सड़क तक सामान फैला रखा है, वहीं ग्राहकों के वाहन और बेतरतीब पार्किंग ने सड़कों की बची-खुची जगह भी घेर ली है। हालात यह हैं कि बाजारों से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि न व्यापारी अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार हैं और न ही प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई दे रही है। शहर के गंजीपुरा, गलगला, कमानिया, मिलौनीगंज सहित रांझी गोरखपुर और सदर के दुकानदारों ने अपनी दुकानों की सीमा सड़क तक बढ़ा दी है। कहीं कपड़े और रेडीमेड सामग्री बाहर टंगी है तो कहीं जूते, बर्तन, सजावटी सामान और अन्य उत्पाद फुटपाथ से आगे सड़क तक सजे हुए हैं। फुटपाथ पहले ही अतिक्रमण की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे में पैदल चलने वालों को मजबूरी में सड़क पर उतरना पड़ता है। इससे यातायात की रफ्तार प्रभावित होती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। त्योहार के नाम पर बाजार में कारोबार तो बढ़ रहा है, लेकिन आम लोगों की सुविधा को लेकर किसी की जवाबदेही नजर नहीं आती। बाजारों



में जाम की एक बड़ी वजह लोडिंग और अनलोडिंग की अव्यवस्थित व्यवस्था भी है। दुकानों में माल पहुंचाने वाले वाहनों के प्रवेश और सामान उतारने का कोई निश्चित समय प्रभावी रूप से लागू होता नजर नहीं आ रहा। दिन के व्यस्त समय में भी लोडिंग वाहन बाजारों में पहुंच जाते हैं। सड़क के बीच वाहन खड़े कर सामान उतारने और चढ़ाने का सिलसिला शुरू होते ही यातायात ठप हो जाता है। पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और दोपहिया वाहन चालक गलियों से निकलने की कोशिश में और अधिक अव्यवस्था पैदा कर देते हैं। त्योहारी सीजन में हर साल यातायात व्यवस्था को लेकर बैठकें और दावे किए जाते हैं। अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्थित करने और लोडिंग-अनलोडिंग का समय निर्धारित करने की बातें भी होती हैं, लेकिन जमीन पर हालात में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आता। सवाल यह है कि जब त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ बढ़ना पहले से तय है तो प्रशासन ने यातायात प्रबंधन के लिए ठोस व्यवस्था क्यों नहीं की? बाजारों में नियमित निगरानी, नो-पार्किंग नियमों का पालन और सड़क पर सामान फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

खरीदारी की खुशी जाम में बदल रही परेशानी

दीपावली पर परिवार के साथ खरीदारी करने निकलने वाले लोगों को बाजार तक पहुंचने और वहां से बाहर निकलने में काफी समय गंवाना पड़ रहा है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। एंबुलेंस या आपातकालीन वाहन के बाजारों में फंसने की स्थिति में हालात और गंभीर हो सकते हैं। त्योहार की खुशियों के बीच ट्रैफिक अव्यवस्था लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। दीपावली के नजदीक आते ही बाजारों में भीड़ और बढ़ेगी। ऐसे में प्रशासन को तत्काल बाजारों में लोडिंग-अनलोडिंग का समय निर्धारित कर उसका सख्ती से पालन कराना होगा। दुकानों के बाहर सड़क तक फैले सामान को हटवाना, फुटपाथ खाली कराना, व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था करना और प्रमुख बाजारों में अतिरिक्त यातायात बल तैनात करना जरूरी है। व्यापारियों को भी समझना होगा कि सड़क उनकी दुकान का हिस्सा नहीं है।

65 दिनों से फरार सीएसपी नेहा पच्चीसिया पर शिकंजा कसने की तैयारी

सीएसपी नेहा पच्चीसिया की तलाश तेज लुक आउट नोटिस जारी करने की मांग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश पुलिस विभाग से जुड़े गंभीर धोखाधड़ी और जमीन की कथित सौदेबाजी के मामले में 65 दिनों से फरार चल रही सीएसपी नेहा पच्चीसिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कटनी जिला प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को विस्तृत आधिकारिक पत्र भेजकर मामले की जानकारी दी है। पत्र में 10 हजार रुपए की इनामी महिला पुलिस अधिकारी और दो अन्य सह आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से जुड़ी स्थिति का उल्लेख किया गया है।

अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्रा की ओर से भेजे गए इस पत्र के बाद मामला प्रशासन के उच्च स्तर तक पहुंच गया है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अवनीश तिवारी ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। स्थानीय कुठला थाने में गंभीर धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस विभाग ने आरोपियों की तलाश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था, लेकिन अब तक सीएसपी नेहा पच्चीसिया



और दो अन्य सह आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। कटनी जिला प्रशासन की ओर से भेजे गए पत्र में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके संभावित विदेश जाने की आशंका को लेकर कार्रवाई की जरूरत बताई गई है। अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्रा ने मुख्य सचिव को पूरे प्रकरण से अवगत कराते हुए संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराए हैं।

पत्र के साथ राष्ट्रपति कार्यालय को ईमेल के जरिए अग्रेषित किए गए आवेदन की प्रति संलग्न की गई है, जिसमें आरोपियों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया है। इस कदम का उद्देश्य आरोपियों के देश छोड़कर जाने की आशंका को देखते हुए संबंधित एजेंसियों को सतर्क करना है। लुक आउट नोटिस जारी होने पर संबंधित व्यक्ति की विदेश यात्रा के दौरान आव्रजन अधिकारियों के स्तर पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, इस मामले में नोटिस जारी होने की आधिकारिक पुष्टि और उसके प्रभावी होने की स्थिति अलग से स्पष्ट होना बाकी है।

चालान पेश नहीं होने से हत्या के आरोपियों को मिला डिफॉल्ट जमानत का लाभ इस पूरे मामले की जड़ एक गंभीर आपराधिक प्रकरण में पुलिस कार्रवाई और न्यायालय में चालान पेश करने की प्रक्रिया से जुड़ी बताई जा रही है। विभागीय जांच रिपोर्ट के अनुसार, निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद संबंधित मामले में न्यायालय के समक्ष चालान प्रस्तुत नहीं किया गया था।

आरोप है कि इस प्रक्रियागत देरी का फायदा हत्या के मामले के मुख्य आरोपियों को मिला और उन्होंने अदालत से डिफॉल्ट जमानत हासिल कर ली। डिफॉल्ट जमानत का प्रावधान निर्धारित वैधानिक अवधि में जांच पूरी कर आरोपपत्र दाखिल नहीं किए जाने की स्थिति में लागू होता है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चालान पेश नहीं किए जाने से आरोपियों को मिली राहत के बदले संबंधित पुलिस अधिकारी ने उनके स्वामित्व वाली बेशकीमती जमीन को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर अपने विश्वस्त दलाल के नाम पंजीकृत कराया।

लाठी-डंडों से बुजुर्ग पर हमला, अस्पताल में मौत; पिता और दो बेटे गिरफ्तार



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर के पनागर थाना क्षेत्र में महिला से छेड़खानी का विरोध करने पर उसके बुजुर्ग ससुर की मौत के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पिता और उसके दो बेटे शामिल हैं। आरोपियों ने 22 अक्टूबर को महिला के ससुर प्यारेलाल चक्रवर्ती के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की थी। गंभीर चोटों के कारण 30 अक्टूबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने शनिवार-रविवार की देर रात तीनों को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल की गई लाठियां भी जब्त कर ली हैं। दरअसल, 22 अक्टूबर को पनागर थाना क्षेत्र की 25 वर्षीय महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि सुबह करीब 5 बजे वह किसी काम से अकेली बाहर गई थी। लौटते समय गांव के रहने वाले राजेश चक्रवर्ती ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। महिला ने विरोध कर अपना हाथ छुड़ाया, तो आरोपी ने उसका मंगलसूत्र भी तोड़ दिया। महिला ने घर पहुंचकर अपने पति, सास और ससुर प्यारेलाल चक्रवर्ती को घटना की जानकारी दी। समझाने पहुंचे ससुर पर लाठी-डंडों से हमला घटना की जानकारी मिलने के बाद प्यारेलाल चक्रवर्ती आरोपी राजेश को समझाने पहुंचे थे। मारपीट में प्यारेलाल के सिर, हाथ-पैरों और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। इस मामले में पुलिस ने शुरुआत में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। इलाज के दौरान मौत, हत्या की धाराएं बढ़ीं गंभीर रूप से घायल प्यारेलाल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। 31 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली कि 30 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है।

कादम्बरी के राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह में 129 साहित्यकार सम्मानित



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

साहित्यिक संस्था कादम्बरी का अखिल भारतीय साहित्यकार-पत्रकार सम्मान समारोह शहीद स्मारक सभागार में संपन्न हुआ। महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि जी महाराज एवं प्रज्ञा पीठाधीश्वर साध्वी विभानंद गिरि जी महाराज के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर देश के विभिन्न अंचलों से आए 129 साहित्यकारों को कुल 4 लाख 18 हजार 200 रुपये की सम्मान राशि, मानपत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। कादम्बरी के अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे ने कहा कि कादम्बरी का सम्मान मनीषियों की स्मृति का सम्मान है,यह श्रद्धा की पावन अंजुरी है। महामंत्री राजेश पाठक प्रवीण ने सम्मानित साहित्यकारों का परिचय देते हुए समारोह का संचालन किया।विशिष्ठ अतिथि अशोक मनोध्याय,डॉ. जितेंद्र जामदार,डॉ. गीता शर्मा, सहित साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र की अनेक गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं।प्रारम्भ में सेम सीनियर सिटीजन द्वारा देशभक्ति नाटक, मोती शिवहरे एवं आरती श्रीवास्तव के निर्देशन में वंदना नृत्यों को प्रस्तुत किया गया। समारोह में डॉ.अनामिका तिवारी, डॉ.लखविन्दर कौर जस्सल,ज्योति मिश्रा,ज्योति प्यासी,नौमी श्रीवास्तव,राकेश माहेश्वरी सहित 14 कृतियों का विमोचन हुआ। इस अवसर पर स्वामी प्रज्ञानंद सम्मान विमल बुंदेला (छतरपुर), स्व. ब्रह्मदत्त तिवारी सम्मान सुधाकर शर्मा (बालाघाट), स्व. महेशकिशोर शर्मा सम्मान डॉ. अनुज प्रताप सिंह (मिर्जापुर), स्व. लक्ष्मी शर्मा सम्मान डॉ. पशुपतिनाथ उपाध्याय (अलीगढ़), स्व.ओंकार दुबे सम्मान गिरिमोहन गुरु (नर्मदापुरम), स्व. डॉ. गार्गीशरण मिश्रा सम्मान भगत दुबे एवं डॉ. संध्या जैन श्रुति, स्व. ओंकार प्रसाद तिवारी सम्मान सुरेंद्र कौशिक (यूएसए),एवं देवेंद्र मिश्रा, पं.अश्वनी कुमार पाठक सम्मान डॉ. सुधा गुप्ता एवं डॉ.आध्या प्रसाद सिंह, स्व. रामेंद्र तिवारी सम्मान प्रबोध गोविल (जयपुर), सेठ गोविंददास सम्मान मुक्तिनाथ झा (बिहार),स्व. डॉ. जमालुद्दीन सम्मान वीरेंद्र चंद्रसखी देवदास मयला सम्मान सुनील बाजपेयी (लखनऊ), स्व.जवाहरलाल तरुण सम्मान डॉ. गिरिजा नरवरिया (भिंड),महीयसी प्रभासिंह सम्मान डॉ. रविबाला महाजन(खरगौन) सुखेन्द्र सिंह सम्मान डॉ.विजय प्रकाश सैनी को दिया गया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का जबलपुर आगमन



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा रविवार सुबह जबलपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी एवं नीरज सिंह, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भी उप मुख्यमंत्री से भेंट कर स्वागत किया। सर्किट हाउस में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने उनसे मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सर्किट हाउस परिसर में आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी एवं नीरज सिंह, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल सहित अन्य अधिकारी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली चार जोड़ी ट्रेनें 1 जनवरी 2027 से नए ट्रेन नंबर से संचालित

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रेलवे द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे से होकर संचालित चार जोड़ी ट्रेनों को गैर-सुपरफास्ट श्रेणी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के अंतर्गत निम्नलिखित ट्रेनों के नंबरों में परिवर्तन किया जाएगा। परिवर्तित ट्रेन नंबर 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे। ट्रेनों का विवरण 1) गाड़ी संख्या 22177 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बनारस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11093 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 22178 बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11094 होगा। 2) गाड़ी संख्या 22129 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट तुलसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर



11065 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 22130 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस तुलसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11066 होगा। 3) गाड़ी संख्या 12167 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11067 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 12168 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11068 होगा। 4) गाड़ी संख्या 12779 वास्को डी गामा-हजरत निजामुद्दीन गोवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 17379 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 12780 हजरत निजामुद्दीन-वास्को डी गामा गोवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 17380 होगा। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा की योजना बनाते समय परिवर्तित ट्रेन नंबरों का ध्यान रखें तथा यात्रा से संबंधित अद्यतन जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यमों से प्राप्त करें।

दीपावली से पहले वेतन-बोनस के भुगतान की मांग तेज

55 जिलों में आउटसोर्स कर्मचारी 2 नवंबर को सौंपेंगे ज्ञापन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश के शासकीय विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने दीपावली से पहले वेतन और बोनस का भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए आवाज बुलंद कर दी है। त्योहार नजदीक आने के बावजूद प्रदेश के कई विभागों में कर्मचारियों के वेतन और बोनस भुगतान की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से नाराजगी बढ़ रही है। इसी मुद्दे को लेकर मध्य प्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन ने प्रदेशव्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया है। संगठन की ओर से 2 नवंबर को प्रदेश के सभी 55 जिलों में जिला प्रशासन के अधिकारियों को



ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की मांगों से अवगत कराया जाएगा। संगठन की प्रमुख मांग है कि सभी पात्र आउटसोर्स कर्मचारियों को 5 नवंबर तक लंबित वेतन और दीपावली बोनस का भुगतान किया जाए, ताकि कर्मचारी और उनके परिवार त्योहार आर्थिक परेशानियों के बिना मना सकें। संगठन का कहना है कि सरकारी विभागों में अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से घरेलू खर्च, बच्चों की जरूरतों और त्योहार की तैयारियों पर असर पड़ रहा है। मध्य प्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी रविंद्र जायसवाल और जिला महामंत्री अनुपम वर्मा ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों में बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों को समय पर वेतन और अन्य निर्धारित सुविधाएं मिलने में परेशानी हो रही है।

जबलपुर में सूर्या हाफ मैराथन की तैयारियां तेज, ट्रायल रन में दौड़े धावक

22 नवंबर को सजेगा मैराथन का मैदान, 10 हजार से अधिक धावक दिखाएंगे दमखम

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर में खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली सूर्या हाफ मैराथन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 22 नवंबर को होने वाले इस बड़े आयोजन से पहले रविवार सुबह धावकों ने ट्रायल रन में हिस्सा लेकर मैराथन के प्रति अपना उत्साह दिखाया। भारतीय सेना और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस मैराथन में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन, सेना और नगर निगम की ओर से व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। रविवार सुबह ठीक 6 बजे पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम (राइट टाउन) से ट्रायल रन की शुरुआत हुई। इसमें बड़ी संख्या में धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह के खुशनुमा माहौल में प्रतिभागियों ने निर्धारित मार्ग पर दौड़ लगाकर मुख्य आयोजन से पहले अपनी तैयारियों को परखा।

ट्रायल रन के दौरान आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया, ताकि 22 नवंबर को होने वाली मुख्य मैराथन के दौरान किसी तरह की परेशानी न आए। महापौर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक मैराथन की तैयारियों को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय सेना की ओर से कर्नल सीएस मैनी, यातायात विभाग के डीएसपी शुक्ला और नगर निगम के संबंधित अधिकारी मौजूद



रहे। इस दौरान आयोजन की रूपरेखा और धावकों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विशेष रूप से धावकों की सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर रणनीति तैयार की गई। इन प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी सूर्या हाफ मैराथन 22 नवंबर को होने वाली सूर्या हाफ मैराथन की शुरुआत पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, राइट टाउन से होगी। यहां से धावक अशोका होटल चौक, तीनपत्ती चौक, महाराणा प्रताप चौक, नौदरा ब्रिज और रसल चौक होते हुए आगे बढ़ेंगे। इसके बाद मैराथन का मार्ग जबलपुर हॉस्पिटल, ब्लूम चौक, नवभारत प्रेस, पंकज होटल और गौमाता चौक से होकर गुजरेगा। यहां से धावक वापस पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम पहुंचेंगे। इस मार्ग पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना आयोजन की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

व्यवस्थाओं को परखने की कवायद

ट्रायल रन का मुख्य उद्देश्य मैराथन के आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की वास्तविक परिस्थितियों में जांच करना था। इसके माध्यम से धावकों की सुविधा, दौड़ के मार्ग, यातायात व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजामों को परखा गया। साथ ही शहरवासियों को खेल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अनुशासन के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया।आयोजकों का मानना है कि इस तरह के खेल आयोजन शहर में फिटनेस के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करते हैं। मैराथन के माध्यम से युवाओं के साथ-साथ विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सेना और नगर निगम की संयुक्त पहल से शहर में सामूहिक भागीदारी और खेल भावना को भी बढ़ावा मिलेगा।

उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों ने बांधा समां, प्रतिभागियों ने दिखाई कला एवं सांस्कृतिक विविधता

डीआरएम द्वारा भोपाल में 9वीं राज्य स्तरीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का भव्य शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 9वीं राज्य स्तरीय रैली का 1 नवंबर 2026 को रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड, हबीबगंज रेलवे कॉलोनी, भोपाल में भव्य शुभारंभ हुआ। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण, समारोह परेड एवं बैंड डिस्प्ले के बीच रैली के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की। इस पांच दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय सहित भोपाल, जबलपुर एवं कोटा मंडलों से लगभग 400 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स एवं यूनिट लीडर्स सहभागिता कर रहे हैं। रैली का आयोजन 1 से 5 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा का स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात कलर पार्टी द्वारा मुख्य अतिथि को बैठक स्थल तक ले जाया गया। राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट द्वारा मंडल रेल प्रबंधक को स्कार्फिंग की गई तथा राज्य संगठन आयुक्त/गाइड द्वारा महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा का स्कार्फिंग कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्य सचिव द्वारा अतिथियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्काउट्स एवं गाइड्स की प्रार्थना तथा कलर पार्टी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके पश्चात स्काउट्स एवं गाइड्स ने ध्वज गीत प्रस्तुत किया। समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत भव्य सेरेमोनियल मार्च पास्ट एवं बैंड डिस्प्ले रहा, जिसमें विभिन्न मंडलों के प्रतिभागियों ने अनुशासन, एकजुटता और संगठनात्मक भावना का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि श्री पंकज त्यागी ने रैली के शुभारंभ की घोषणा करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया। स्वागत भाषण राज्य सचिव द्वारा दिया गया तथा इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के अंत में जिला आयुक्त/स्काउट द्वारा आभार व्यक्त किया गया। रैली के दौरान विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनके माध्यम से प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, अनुशासन, टीम भावना, सहयोग, रचनात्मकता एवं सामाजिक सेवा के प्रति समर्पण जैसे गुणों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस राज्य स्तरीय रैली का प्रमुख आकर्षण 4 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाला भव्य ग्रैंड कैंपफायर एवं समापन समारोह होगा, जिसमें पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। युवाओं को व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है।

प्रदेश में एक नवम्बर तक 12 लाख 87 हजार से अधिक रजिस्ट्री पंजीयन पूरे

प्लॉट और मकान भू-स्वामी का, पक्की रजिस्ट्री का पैसा सरकार देगी : मुख्यमंत्री मोहन यादव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्लॉट और घर के साथ उसके पक्के राजस्व दस्तावेज होना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि ये दस्तावेज ही भू-स्वामी को उसका मालिकाना हक दिलाने के साथ उसे अपनी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय का अधिकार भी दिलाते हैं। सरकार ने प्रदेश के ऐसे सभी भू-स्वामियों (जिनके पास उनके प्लॉट या मकान के पट्टे तो उपलब्ध हैं, परंतु पक्की रजिस्ट्री नहीं है), इन सभी को उनकी सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' के तहत सभी पात्रताधारियों को उनकी जमीन के पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। पक्की रजिस्ट्री के लिए लगने वाली स्टॉम्प शुल्क की राशि राज्य सरकार अपने खजाने से भरेगी। इससे प्लॉट या मकान भू-स्वामी का होगा, रजिस्ट्री भी भू-स्वामी की ही होगी, परंतु उन्हें इस पक्की रजिस्ट्री का पैसा नहीं देना होगा। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' की अब तक की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस महती योजना को एक बड़े अभियान के रूप में चलाकर जल्द से जल्द प्रदेश के सभी पात्र भू-स्वामियों के पट्टे की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने हक की सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-धारक की समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। पक्की रजिस्ट्री से भू-धारक अपनी सम्पत्ति पर ऋण आदि लेने के लिए पात्र हो जाएंगे। यह योजना भू-धारकों को आर्थिक रूप से भी मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि पक्की रजिस्ट्री कराकर देने वाला यह अभियान आगे भी लगातार चलेगा। अगले वर्ष हम इस अभियान को 'युवा वर्ष' से भी जोड़ेंगे। सभी मंत्री, सांसद, विधायक धनतेरस के दिन किसी गांव में जाकर वहां की शत प्रतिशत स्वामित्व की रजिस्ट्री अपने सामने पूरी करायेंगे ठुबैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' के अमल में और भी तेजी लाएं। इस योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, सांसद और विधायक आगामी 6 नवम्बर को (धनतेरस के दिन) अपने पैतृक ग्राम या अपनी पसंद के किसी भी गांव में जाकर उस गांव की मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत की रजिस्ट्री खुद सामने रहकर पूर्ण करायेंगे। सभी जिला कलेक्टर्स इस संबंध में अपने प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय मंत्रीगणों सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ आवश्यक सहयोग और समन्वय कर अपने जिले में रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी होने पर उस गांव में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक लघु कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई. रमेश कुमार ने बताया कि एक नवम्बर 2026 की स्थिति में प्रदेश में 12 लाख 87 हजार 252 रजिस्ट्री (पंजीयन) पूरे कर लिए गए हैं।

एग्रीस्टैक योजना के क्रियान्वयन में म.प्र. प्रथम, उर्वरक वितरण की ई-विकास व्यवस्था देश में पहली बार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



केन्द्र सरकार की एग्रीस्टैक के बेहतर क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। एग्रीस्टैक भारत की डिजिटल कृषि व्यवस्था की नींव है। यह सही समय पर किसानों को मदद पहुंचाती है। इसके अंतर्गत 1.20 करोड़ से ज्यादा किसानों की आईडी बनाई गई है। करीब 4 करोड़ से अधिक खेतों पर फसलों का सर्वे कर सभी खेतों का जियो रेफरेंस कराया गया है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ किसानों के व्यापक हित में भावांतर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष में सरसों और सोयाबीन के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार समग्र किसान कल्याण के लिए संकल्पित है। सरकार खेती को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे किसानों के आर्थिक लाभ में वृद्धि हो। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में व्यापक निर्णय लिये गये हैं। उड़द के उपार्जन पर एमएसपी के अलावा 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में 15 जिलों के 4000 किसानों से 3000 मीट्रिक टन श्रीअन्न का उपार्जन किया गया है। उपार्जन के अलावा 1000 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि के हिसाब से उन्हें भुगतान किया गया है। कृषि उर्वरक वितरण एवं आपूर्ति समाधान प्रणाली-ई-विकास का उपयोग कर उर्वरक वितरण किया गया। यह पूरे देश में पहली बार हुआ है। इसके माध्यम से 48.34 पात्र किसानों को 34.46 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराया गया। इसमें 3.94 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बचत हुई। इससे 764.65 करोड़ के उर्वरक अनुदान की बचत हुई है। इस व्यवस्था को अपनाने के लिए केन्द्र सरकार अन्य राज्यों से भी आग्रह कर रही है।

अंकित वैद्य को मिली जीजेसी की जिम्मेदारी अब देशभर के ज्वेलर्स को करेंगे शिक्षित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



देश के रत्न एवं आभूषण उद्योग को शिक्षित, व्यवस्थित और संगठित बनाने की दिशा में पिछले चार वर्षों से कार्य कर रहे अंकित वैद्य को ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) की शिक्षा पहल 'लभम' समिति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकड़े, उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता, जीजेएस संयोजक संयम मेहरा और पूर्व अध्यक्ष नितिन खंडेलवाल ने उनके कार्यों को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। अंकित वैद्य का उद्देश्य छोटे और मध्यम ज्वेलर्स, महिलाओं तथा नई पीढ़ी के कारोबारियों को व्यावसायिक शिक्षा, आधुनिक तकनीक और प्रबंधन कौशल से जोड़ना है। इसके लिए वे पिछले चार वर्षों से देश के विभिन्न शहरों में प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं। इंदौर, भोपाल, सूरत, अहमदाबाद, राजकोट, नागपुर, जबलपुर सहित अनेक शहरों में उनकी पहल पहुंच चुकी है। इंटरनेट माध्यमों पर भी उनसे पांच लाख से अधिक लोग जुड़े हैं। इस अभियान के पीछे उनका व्यक्तिगत संकल्प भी प्रेरणादायी है। पिता नवीन वैद्य और वापी (के गुरु वैष्णवाचार्य गोस्वामी गोविंदराईजी की प्रेरणा से उन्होंने अपने मिशन के लिए कई खाद्य पदार्थों का त्याग किया है। उनका मानना है कि जिस उद्योग से व्यक्ति ने अर्जित किया है, उसे कुछ लौटाना भी उसका दायित्व है। उल्लेखनीय है कि अब अंकित मध्यप्रदेश और केंद्र सरकार से कौशल विकास, महिला उद्यमिता, कारीगर प्रशिक्षण तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की अपेक्षा कर रहे हैं।

रेल संरक्षा आयुक्त करेंगे मोटर ट्रॉली से विस्तृत निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल

सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ के नवनिर्मित 13 किलोमीटर रेलखंड का 3 नवंबर को होगा सीआरएस निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में रामगंजमंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ रेलखंड का रेल संरक्षा आयुक्त, मध्य वृत्त, मुंबई द्वारा दिनांक 3 नवंबर 2026 को निरीक्षण किया जाएगा। लगभग 13 किलोमीटर लंबे इस नवनिर्मित रेलखंड का निरीक्षण यात्री रेलगाड़ियों के परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेल संरक्षा आयुक्त एवं निरीक्षण दल द्वारा नरसिंहगढ़ स्टेशन पर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दस्तावेजों एवं अभिलेखों की जांच की जाएगी। इसके पश्चात नरसिंहगढ़ से सोनकच्छ के बीच नवनिर्मित रेलखंड का मोटर ट्रॉली के माध्यम से विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान रेलपथ, पुल-पुलियों, समपार फाटकों, स्टेशन व्यवस्थाओं, विद्युत एवं सिग्नलिंग प्रणालियों सहित रेल संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का परीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के उपरांत सोनकच्छ से नरसिंहगढ़ के बीच निरीक्षण विशेष ट्रेन द्वारा स्पीड ट्रायल भी किया जाएगा। 3 नवंबर को त्वरित गति से होगा ट्रेनों का आवागमन, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण एवं सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ सेक्शन की कमिशनिंग के मद्देनजर दिनांक 3 नवंबर 2026 को सुबह 08:00 बजे से शाम 07:00 बजे तक सोनकच्छ-नरसिंहगढ़ सेक्शन में ट्रेनों का आवागमन त्वरित गति से होगा। रेलवे प्रशासन द्वारा इस सेक्शन के आसपास रहने वाले सभी नागरिकों, विशेषकर नवनिर्मित रेल ट्रैक के समीप निवास करने वाले रहवासियों से विनम्र अपील की गई है कि वे रेल संरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सतर्क, सजग एवं सावधान रहें। रेलवे ट्रैक से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा ट्रैक पर जाने या उसके आसपास असावधानी बरतने से बचें, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका न रहे। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री पंकज त्यागी सहित भोपाल मंडल एवं निर्माण संगठन के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सुरक्षित बचपन ही सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत भोपाल में वृहद विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 01 नवंबर 2026 को 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत एकलव्य आवासीय विद्यालय (गुरुकुलम), भोपाल में वृहद विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 550 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह का सीधा प्रसारण कार्यक्रम का प्रारंभ प्रातः11 बजे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, जिला अनूपपुर में आयोजित 'सुरक्षित बचपन अभियान' के राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह के सीधे प्रसारण के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इसके पश्चात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप विशेष विधिक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। विशेष न्यायाधीश ने कहानियों के माध्यम से समझाए पॉक्सो अधिनियम के प्रावधान जागरूकता सत्र में विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) श्रीमती कुमुदिनी पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने सरल एवं रोचक कहानियों तथा उदाहरणों के माध्यम से अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा, अनुचित व्यवहार को समझने तथा किसी भी प्रकार के शोषण अथवा अपराध की स्थिति में बिना भय अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को किसी भी अनुचित व्यवहार को छिपाना नहीं चाहिए, बल्कि तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए। बच्चों की सुरक्षा, गरिमा एवं सम्मान की रक्षा करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सचिव ने विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका एवं बाल अधिकारों के प्रति किया जागरूक कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव एवं जिला न्यायाधीश श्री हिमांशु कौशल ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संरचना, कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरणों का प्रमुख उद्देश्य समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा आर्थिक अथवा सामाजिक परिस्थितियों के कारण किसी भी व्यक्ति को न्याय से वंचित न रहने देना है। इसके अंतर्गत निःशुल्क अधिवक्ता, विधिक परामर्श, लोक अदालत एवं विभिन्न विधिक सहायता योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। श्री कौशल ने बच्चों के संरक्षण से संबंधित किशोर न्याय अधिनियम, 2015, पॉक्सो अधिनियम, 2012 एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण में जीवन जीने का अधिकार है।

संपादकीय

ऐसी संसद का औचित्य

हम आपको 20 अगस्त, 2010 का एक घटनाक्रम बताते हैं। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। डा. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और मीरा कुमार लोकसभा स्पीकर थीं। उस दिन लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हो चुकी थी, लेकिन सरकार के समर्थक दलों के 60 से अधिक सांसद लोकसभा हॉल में ही मौजूद थे। उनमें सपा के मुलायम सिंह यादव, राजद के लालू प्रसाद यादव, जनता दल-यू के शरद यादव समेत उन सांसदों ने एक नकली संसद का आयोजन किया। अंग्रेजी में इसे मॉक पार्लियामेंट कहते हैं। उसकी कृत्रिम कार्यवाही के मद्देनजर लालू यादव को प्रधानमंत्री बनाया गया और वे सभी सांसद ट्रेजरी सीटों पर बैठ गए। दिलचस्प यह है कि तत्कालीन भाजपा संसदीय दल के उपनेता गोपीनाथ मुंडे को कृत्रिम स्पीकर की भूमिका दी गई। यह दीगर है कि पार्टी आलाकमान ने उन हरकतों के लिए मुंडे को खूब फटकार लगाई। कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। उस नकली संसद का आयोजन कैबिनेट द्वारा पारित किए गए सांसद वेतन, भत्ते आदि के बिल और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया बिल के विरोध में किया गया था। यह ड्रामा करने वाले सांसद चाहते थे कि उनका वेतन ज्यादा बढ़ाया जाए। बहरहाल तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार को जब उस नाटक की जानकारी मिली, तो उन्होंने नकली संसद के आयोजकों को फटकार लगाई, निराशा व्यक्त की और उसे असंसदीय तथा असंवैधानिक आचरण करार दिया। आज उसी मीरा कुमार ने एक और नकली संसद की अध्यक्षता की है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ महाभियोग के जन-संस्करण पर चर्चा तय की गई थी। यह नकली संसद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के सरकारी आवास पर आयोजित की गई। यदि 2010 का आचरण और आयोजन असंसदीय और असंवैधानिक था, तो कांग्रेस का यह नाटक भी गलत और आपत्तिजनक है। क्या मौजूदा स्पीकर ओम बिरला कांग्रेस नेता से स्पष्टीकरण मांगेंगे? क्या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस संदर्भ में असंसदीय करार दिए जा सकते हैं? बेशक कांग्रेस का यह प्रयास कुंठित और निराशाजनक है, क्योंकि संसद का नकली संस्करण पेश नहीं किया जा सकता। संसद सडक पर नहीं लाई जा सकती। पहले यह आयोजन अशोका होटल में किया जाना था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति नहीं दी। बेशक सीईसी या किसी अन्य संवैधानिक पदासीन व्यक्ति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद में लाने को कांग्रेस और विपक्ष स्वतंत्र हैं। उन्हें संसदीय अधिकार भी प्राप्त हैं, लेकिन लोकसभा में स्पीकर और राज्यसभा में सभापति (देश के उपराष्ट्रपति) को भी विशेषाधिकार हैं कि वे ऐसे प्रस्ताव स्वीकार करें या उन्हें खारिज कर दें।

उसे चुनौती नहीं दी जा सकती। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने सीईसी के ही खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के नोटिस दिए थे। जितने सांसदों के हस्ताक्षर होने अनिवार्य हैं, उनसे अधिक ही दस्तखत कराए गए थे, लेकिन उन नोटिसों और प्रस्ताव को विचारणीय नहीं माना गया, लिहाजा खारिज कर दिए गए। कांग्रेस इस निर्णय की कुछ भी व्याख्या करे। अब नए सिरे से ये प्रस्ताव संसद में ही पेश किए जा सकते हैं। चूंकि महाभियोग एक संसदीय और संवैधानिक प्रक्रिया है, लिहाजा उस पर संसद में ही विचार किया जा सकता है। संसद में न्यायाधीश के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं, लेकिन आज तक यह प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका है, क्योंकि यह बेहद लंबी और पेचीदा प्रक्रिया है। उसका नकली संस्करण स्वीकार्य नहीं है, लिहाजा यह आयोजन दंडनीय भी होना चाहिए। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव, 2024 के बाद से ही वोट चोरी का मुद्दा उठाते रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान यह चरम पर था, लेकिन कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 विधायक ही आए। उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, बंगाल, असम आदि के विधानसभा चुनावों को भी वोट चोरी माना जाता है और खडगे यहां की सरकारों को चोरी की सरकारें करार देते हैं। यह मुद्दा सर्वोच्च अदालत में भी कई बार उठा है, अदालत ने विपक्ष से वोट चोरी के सबूत मांगे हैं, लेकिन नहीं दे पाए। राष्ट्रपति को भी ज्ञापन सौंपा था, उन्होंने भी सबूत मांगे थे, आज तक उपलब्ध नहीं करा पाए। अब 1 नवंबर को कांग्रेस-इंडी गठबंधन की जो रैली होनी है, उसका बुनियादी मुद्दा भी यही है। रैली से पहले हवा बनाने के लिए नकली संसद का आयोजन किया गया।

जॉर्डन, माइक्रोनेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका, वियतनाम से नहीं की जा सकती भारत की तुलना

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

> महाराष्ट्र का सकल राज्य घरेलू उत्पाद $450 बिलियन के आसपास पहुँच रहा है, जो वियतनाम की पूरी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के करीब है। कर्नाटक का आईटी निर्यात मॉडल फिलीपींस की राजधानी मनीला के बीपीओ मॉडल से तकनीकी रूप से अधिक उच्च-मूल्य वाला है। तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में पिछले दो वर्षों में इतनी तेजी से बढ़ा है कि आईफोन असेंबलिंग के क्षेत्र में वियतनाम की स्थिति को चुनौती दे रहा है। गुजरात का गिफ्ट सिटी वित्तीय सेवाओं में जॉर्डन के बैंकिंग हब से प्रतिस्पर्धा करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

विश्व बैंक ने अपना वार्षिक आय वर्गीकरण जारी किया तो दुनिया भर में चर्चा छिड़ गई। जॉर्डन, माइक्रोनेशिया, फिलीपींस, श्रीलंका और वियतनाम पाँच देशों ने निम्न-मध्यम आय की श्रेणी छोड़कर अपर-मिडिल इनकम में प्रवेश कर लिया। सीमा $4,636 प्रति व्यक्ति प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय थी। भारत, जिसकी जीडीपी $3.95 ट्रिलियन के आसपास पहुँच चुकी है और जो दुनिया की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। कई अर्थशास्त्री और राजनीतिक टिप्पणीकार तुरंत तुलना करने लगे कि वियतनाम और फिलीपींस आगे निकल गए, भारत पीछे रह गया।

ऐसे में यहां कहना यही है कि ये तुलना की ही नहीं जा सकती है, क्योंकि भारत का क्षेत्रफल, राज्य और जनसांख्यिकी इस तरह की है कि इन देशों के सामने भारत के कई राज्य बड़े हैं, जिसमें कि प्रतिराज्य आय भी अलग-अलग है। फिर आप जब इन देशों के आंतरिक राज्यों के आंकड़ों को देखेंगे तो उनमें उस समान तुलनात्मक स्थिति में भारत के कई राज्य आज आगे दिखाई देते हैं। अब यह तुलना भले ही आकर्षक लगती हो, किंतु गहराई से देखें तो यह अधूरी और कई मामलों में भ्रामक है। भारत कोई एक समरूप अर्थव्यवस्था नहीं है। यह 32.87 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल और 1.45 अरब आबादी वाला एक विशाल संघ है, जिसके भीतर आर्थिक स्तर इतने विविध हैं कि कई राज्य इन पाँच देशों के बराबर या उनसे बड़े हैं और प्रति व्यक्ति आय तथा संरचनात्मक परिवर्तन के मामले में आगे भी हैं।

उदाहरण स्वरूप आज आप दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्यों को ही ले सकते हैं। पहले ही उच्च-मध्यम मानकों को व्यक्तिगत स्तर पर पार कर चुके हैं। राष्ट्रीय औसत को लेकर इन छोटे देशों से भारत की तुलना करना उसी तरह है, जैसे एक बड़े राज्य के पूरे जिले की औसत आय को एक छोटे देश से तुलना करके निष्कर्ष निकाल लिया जाए और फिर उन्हें आथों में लेकर लहराना शुरू किया गया हो।

विश्व बैंक का वर्गीकरण एटलस विधि से गणना की गई सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) प्रति व्यक्ति पर आधारित होता है और हर साल एक जुलाई को अद्यतन किया जाता है। एफवाई 27 के लिए अपर-मिडिल की नई सीमा $4,636 से $14,375 तय हुई। वियतनाम की प्रति व्यक्ति आय लगभग $4,680-$4,970 के आसपास पहुँची, फिलीपींस $4,720-$4,850, जॉर्डन $4,880-$5,260, श्रीलंका $4,650-$4,670 और माइक्रोनेशिया $4,950 के आसपास। ये आंकड़े प्रभावशाली हैं, खासकर उन देशों के लिए जो कुछ वर्ष पहले आर्थिक संकट या संक्रमण से गुजर रहे थे। श्रीलंका 2022 के संकट से उबरकर वापस अपर-मिडिल में आया, वियतनाम ने निर्यात-आधारित विनिर्माण से छलांग लगाई। भारत का औसत $2,760 होने का मतलब यह नहीं कि पूरा देश उसी स्तर पर खड़ा है।

वस्तुतः हमें हमेशा ही यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत एवं इन देशों के बीच क्षेत्रफल और जनसंख्या का अंतर ही इतना बड़ा है कि प्रत्यक्ष तुलना अर्थ खो देती है। वियतनाम का क्षेत्रफल (3,31,210 वर्ग किमी) राजस्थान (3,42,239 वर्ग किमी) के लगभग बराबर है। फिलीपींस (लगभग 3 लाख वर्ग किमी) मध्य प्रदेश (3,08,252 वर्ग किमी) से मेल खाता है। जॉर्डन (89,342 वर्ग किमी) और बिहार (94,163 वर्ग किमी) का क्षेत्रफल लगभग समान है। श्रीलंका हिमाचल प्रदेश से थोड़ा बड़ा है, जबकि माइक्रोनेशिया गोवा से बहुत छोटा। जब इन देशों की जनसंख्या और भारतीय राज्यों की आबादी को साथ रखकर देखें तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। जॉर्डन में लगभग 1.16 करोड़ लोग रहते हैं, बिहार में 13 करोड़ से अधिक। वियतनाम की आबादी 10 करोड़ के आसपास है, राजस्थान की 8.35 करोड़। यह जनसांख्यिकीय भार प्रति व्यक्ति आय को सीधे प्रभावित करता है।

मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (एमओएसपीआई) के 2025-26 और 2026-27 के अग्रिम अनुमानों के आधार पर राज्य-स्तरीय आंकड़े देखें तो तस्वीर और साफ होती है। राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय लगभग $2,420 है, जो वियतनाम से काफी पीछे है। राजस्थान अभी भी कृषि पर 27 प्रतिशत से अधिक निर्भर है, जबकि वियतनाम ने द्वितीयक क्षेत्र को 38.5 प्रतिशत तक पहुँचाकर खुद को वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में स्थापित कर लिया।

मध्य प्रदेश में कृषि का योगदान 40 प्रतिशत से अधिक है और प्रति व्यक्ति आय $1,850 के आसपास, जबकि फिलीपींस ने सेवा क्षेत्र (खासकर बीपीओ और रेमिटेंस) को 62 प्रतिशत तक पहुँचाकर $4,720 पार कर लिया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय लगभग $830 (लगभग ?69,000-76,000 के आसपास) है, जो भारत का सबसे निचला स्तर है। जॉर्डन ने सीमित आबादी को उच्च-मूल्य सेवाओं से जोड़कर $4,880 से ऊपर पहुँच लिया। गोवा की प्रति व्यक्ति आय $7,000 से अधिक है, जो इन पाँचों देशों से आगे है। कर्नाटक की प्रति व्यक्ति नेट स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट (शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद) ?4.33 लाख के आसपास पहुँच चुकी है, जो वियतनाम और फिलीपींस दोनों से बेहतर है। तमिलनाडु और गुजरात भी तेजी से ऊपर आ रहे हैं।

महाराष्ट्र का सकल राज्य घरेलू उत्पाद $450 बिलियन के आसपास पहुँच रहा है, जो वियतनाम की पूरी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के करीब है। कर्नाटक का आईटी निर्यात मॉडल फिलीपींस की राजधानी मनीला के बीपीओ मॉडल से तकनीकी रूप से अधिक उच्च-मूल्य वाला है। तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में पिछले दो वर्षों में इतनी तेजी से बढ़ा है कि आईफोन असेंबलिंग के क्षेत्र में वियतनाम की स्थिति को चुनौती दे रहा है। गुजरात का गिफ्ट सिटी वित्तीय सेवाओं में जॉर्डन के बैंकिंग हब से प्रतिस्पर्धा करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

वस्तुतः ये सभी आंकड़े बता रहे हैं कि भारत के भीतर पहले से ही कुछ उप-राष्ट्रीय क्षेत्र अपर मिडिल या उससे ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं। यहां नीतिगत स्तर पर भी तुलना भी बड़ी दिलचस्प है। वियतनाम ने अक्टूबर 2025 से अपना नया कॉर्पोरेट आयकर कानून लागू किया है, जो ओईसीडी के पिलर टू (द्वितीय स्तंभ) वैश्विक न्यूनतम कर के अनुरूप है।

मोबाइल की दुनिया और बचपन का बिगड़ता व्यवहार

डॉ. प्रियंका सौरभ

पंचकूला की घटना से उपजे सवाल केवल एक विद्यालय या एक परिवार तक सीमित नहीं हैं। वे पूरे समाज के सामने एक चेतावनी की तरह खड़े हैं। हमें बच्चों को तकनीक से दूर रखने की बजाय उसका सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग सिखाना होगा। मोबाइल पर वे क्या देख रहे हैं, यह जानने के साथ-साथ यह भी समझना होगा कि उनके मन में क्या चल रहा है। कहीं वे अकेलेपन, तनाव, उपेक्षा या किसी अनकही परेशानी से तो नहीं जूझ रहे? बच्चों के हाथ में मोबाइल देने से पहले उन्हें विवेक देना, स्वतंत्रता देने से पहले जिम्मेदारी सिखाना और अनुशासन के साथ स्नेह देना आज समय की मांग है।



पंचकूला के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा छह साल की बच्ची के साथ कथित क्रूर व्यवहार की खबर ने समाज को झकझोर दिया है। समाचार में सामने आए घटनाक्रम और विद्यालय परिसर में हुई हिंसा के विवरण ने बच्चों की सुरक्षा, उनके व्यवहार और हमारी परवरिश को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर बचपन में ऐसी हिंसक प्रवृत्तियाँ कैसे जन्म ले रही हैं? क्या बच्चों के भीतर संवेदनशीलता और सहानुभूति कम हो रही है? क्या मोबाइल की दुनिया, इंटरनेट पर उपलब्ध हिंसक सामग्री और बदलते पारिवारिक वातावरण का उनके व्यवहार पर कोई प्रभाव पड़ रहा है? इन सवालों से बचना अब संभव नहीं है।

किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि बच्चों में बढ़ती हिंसा का कारण केवल मोबाइल फोन है। प्रत्येक घटना के पीछे व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, पारिवारिक वातावरण, साथियों का प्रभाव, मानसिक स्थिति और सामाजिक परिवेश जैसे अनेक कारक हो सकते हैं। फिर भी यह सच है कि बच्चों के हाथों में पहुँच चुकी डिजिटल दुनिया ने माता-पिता की जिम्मेदारियों को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। अब बच्चों की निगरानी केवल स्कूल से लौटने के बाद उनके व्यवहार तक सीमित नहीं रह सकती। यह जानना भी आवश्यक है कि वे मोबाइल पर क्या देखते हैं, किन लोगों से बातचीत करते हैं, कौन-से खेल खेलते हैं और इंटरनेट से किस प्रकार के विचार ग्रहण कर रहे हैं।

आज स्मार्टफोन बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई, शैक्षिक वीडियो और ज्ञानवर्धक सामग्री के माध्यम से तकनीक ने सीखने के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इसी माध्यम पर हिंसक दृश्य, अपमानजनक भाषा, खतरनाक चुनौतियाँ और दूसरों को नुकसान पहुँचाने वाले व्यवहार भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं बल्कि उसके अनियंत्रित उपयोग, अनुचित सामग्री तक पहुँच और उसके प्रभावों को समझने की कमी में है। बच्चे कई बार मनोरंजन के नाम पर ऐसी सामग्री देखते हैं, जिसके परिणामों को समझने के लिए वे मानसिक और भावनात्मक रूप से पर्याप्त परिपक्व नहीं होते।

बचपन अनुकरण की अवस्था है। बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर भाषा, व्यवहार और प्रतिक्रिया करना सीखते हैं। वे माता-पिता की बातचीत, परिवार के सदस्यों के आचरण, मित्रों के व्यवहार और डिजिटल माध्यमों पर दिखाई देने वाली गतिविधियों से प्रभावित होते हैं। यदि किसी बच्चे को बार-बार हिंसा, अपमान, बदले और आक्रामकता को सामान्य रूप में प्रस्तुत करने वाले दृश्य दिखाई देते हैं तो उसके व्यवहार पर उनका प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि हर बच्चा ऐसी सामग्री देखकर हिंसक नहीं बनता लेकिन उम्र के अनुरूप सामग्री चुनना और उसके प्रभावों पर बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है।

इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अक्सर व्यस्तता के कारण बच्चों को शांत रखने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है। खाना खिलाने से लेकर उन्हें व्यस्त रखने तक, स्क्रीन एक आसान उपाय बन गई है। धीरे-धीरे यह आदत बच्चों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है और अभिभावकों का ध्यान इस बात से हट जाता है कि बच्चा वास्तव में क्या देख रहा है। बच्चे का मोबाइल पर चुपचाप लगे रहना उसकी सुरक्षा या स्वस्थ विकास का प्रमाण नहीं है। डिजिटल दुनिया में उसकी गतिविधियों की जानकारी रखना, उम्र के अनुरूप सीमाएँ निर्धारित करना और उसके साथ नियमित संवाद बनाए रखना आवश्यक है।

बच्चों पर नजर रखने का अर्थ उन पर हर समय संदेह करना या उनकी निजता को पूरी तरह समाप्त कर देना नहीं है। इसका अर्थ है उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहना और ऐसा विश्वासपूर्ण वातावरण बनाना, जिसमें वे अपनी परेशानी, जिज्ञासा और गलतियों के बारे में खुलकर बात कर सकें। माता-पिता को बच्चों से पूछना चाहिए कि वे कौन-से खेल खेलते हैं, इंटरनेट पर क्या नया देखते हैं और किसी वीडियो या घटना के बारे में उनकी क्या समझ है। यदि बच्चा किसी हिंसक दृश्य को देखकर उत्साहित होता है, किसी को चोट पहुँचाने की बात करता है या उसके व्यवहार में अचानक बदलाव आता है तो उसे केवल डाँटकर चुप कराने के बजाय कारण समझने का प्रयास करना चाहिए।

विद्यालयों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना और परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं है। विद्यालय बच्चों को संवेदनशील, जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाने का भी माध्यम हैं। शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार में आने वाले असामान्य बदलावों पर ध्यान देना चाहिए। विद्यालयों में परामर्श व्यवस्था, भावनात्मक शिक्षा, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और दूसरों की गरिमा का सम्मान करने से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, अपमान या किसी कमजोर विद्यार्थी को निशाना बनाने की घटनाओं को सामान्य शरारत समझकर टालना भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

साथ ही, किसी बच्चे द्वारा गंभीर गलती किए जाने पर उसके व्यवहार की जवाबदेही तय करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है कि जाँच और कार्रवाई तथ्यों के आधार पर हो। बच्चों को अपराधी घोषित करने की जल्दबाजी, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर उनकी पहचान उजागर करना उचित नहीं है। पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि किसी बच्चे के व्यवहार में हिंसा, असामान्य आक्रामकता या भावनात्मक संकट के संकेत दिखाई दे तो अभिभावकों और विद्यालयों को योग्य बाल मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए।

डिजिटल मंचों और सरकार की भूमिका पर भी विचार करना होगा। बच्चों के लिए अनुचित सामग्री तक पहुँच रोकने, अभिभावकीय नियंत्रण के साधनों को सरल बनाने और आयु के अनुरूप डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। इंटरनेट कंपनियों को भी बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन किसी तकनीकी सुविधा पर पूरी तरह निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल मोबाइल चलाना सीखना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही, सुरक्षित या अनुकरण करने योग्य नहीं होती।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को केवल नियमों से नहीं, उदाहरणों से भी सिखाया जाता है। यदि घर में गुस्से के समय अपशब्दों का प्रयोग होता है, विवादों का समाधान मारपीट से किया जाता है और दूसरों के प्रति अपमानजनक व्यवहार सामान्य माना जाता है तो बच्चों से पूर्णतः विपरीत आचरण की अपेक्षा करना कठिन होगा। परिवार में संवाद, धैर्य, सहानुभूति और सम्मान का वातावरण बनाना होगा। बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें खेलकूद, पुस्तक-पठन, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक मेलजोल के अवसर देना भी जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

हाई कोर्ट ने कहा:संविदा कर्मियों का दावा मनमाने ढंग से खारिज नहीं कर सकते

ग्वालियर। हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान का 2 सितंबर 2013 का आदेश रद्द कर दिया है। मामला प्रशासनिक अधिकारी प्रियंका चौहान के नियमितीकरण के दावे से जुड़ा है। जस्टिस आनंद सिंह बहरावत ने कहा कि संस्थान को तर्कसंगत आधार बताना होगा। प्रियंका की संविदा समय-समय पर बढ़ाई गई थी। बाद में समिति ने शुरुआती तीन अवधियों का प्रदर्शन औसत और चौथी का खराब माना। इसी आधार पर नियमितीकरण से इनकार किया गया था। संस्थान ने 20 जनवरी 2012 की नोटशीट को आधार बनाया, जिसकी प्रामाणिकता पर प्रियंका ने सवाल उठाए थे। कोर्ट ने नोटशीट को फर्जी घोषित नहीं किया, बल्कि उसकी प्रामाणिकता, पुराने मूल्यांकन और संविदा बढ़ाने के आदेशों की जांच करने को कहा है। प्रतिकूल मूल्यांकन की जानकारी देकर प्रियंका को पक्ष रखने का अवसर भी देना होगा। प्रमाणित प्रति मिलने के बाद, जहां तक व्यावहारिक हो, तीन महीने में कारण सहित नया निर्णय देना होगा। कोर्ट ने सीधे नियमित करने का आदेश नहीं दिया है।

200 साल पुरानी इमारत बनी चर्चा का विषय, कभी यहीं से चलती थी मध्य भारत की सरकार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस और वर्ष 1956 में इस प्रांत के गठन की गौरवशाली कहानी का मूल केंद्र ग्वालियर का ऐतिहासिक मोती महल रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात जब 'मध्य भारत' राज्य का गठन किया गया था, तब उसकी प्रथम विधानसभा ग्वालियर के इसी मोती महल के भव्य दरबार हॉल में स्थापित की गई थी। इस ऐतिहासिक स्थल से वर्ष 1948 से 1956 के मध्य संपूर्ण मध्यभारत राज्य का विधिवत संचालन हुआ था। इतना ही नहीं, वर्ष 1955-56 के दौरान नए मध्य प्रदेश के उदय की पूरी रूपरेखा पर अंतिम मुहर भी इसी दरबार हॉल में स्थित मध्य भारत की तत्कालीन विधानसभा में ही लगाई गई थी। ग्वालियर का यह प्रतिष्ठित मोती महल लगभग दो सौ वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास अपने भीतर समेटे हुए है। इस ऐतिहासिक महल का निर्माण कार्य वर्ष 1825 में महाराजा दौलतराव सिंधिया द्वारा प्रारंभ कराया गया था, जिसे बाद में वर्ष 1827 में जयाजीराव सिंधिया के काल में पूर्ण रूप दिया गया। अपने स्वर्णिम काल में इस विशाल परिसर के भीतर लगभग 900 से 1200 कमरे, 52 भव्य चौक और 9 विशाल बावड़ियां हुआ करती थीं। इसके ठीक समक्ष स्थित अत्यंत सुंदर बैजा ताल अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध था, जहां संध्या के समय शाही संगीत की महफिलें सजा करती थीं।

ब्राह्मण परिचय सम्मेलन का पंजीयन का शुभारंभ आज

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में 19 वां निशुल्क ब्राह्मण विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन के पंजीयन का शुभारंभ श्री 1008 सच्चिदानाथ ढोलीबुआ महाराज के मुख्य अतिथि में होगा। मुख्य वक्ता संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज एवं विनोद भार्गव ज्वाइंट कमिश्नर परिवहन, किशन मुदगल होंगे तथा विशिष्ट अतिथि सभी उपवर्गीय ब्राह्मण अध्यक्ष होंगे। अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा करेंगे।तथा मुख्य आचार्य पंडित गिरिराज गुरुजी, ब्रह्मदत्त पांडे शास्त्री के द्वारा भगवान श्री गणेश लक्ष्मी जी का पूजन एवं श्री परशुरामेश्वरम महादेव जी का शिवाभिषेक गंगाजल सहित पांच नदियों के जल से 11 ब्राह्मण दंपतियों के यजमानी में 2 नवंबर को ठीक सांय 5-00 बजे , श्री परशुरामेश्रम मंदिर ,सनाढ्य सभा भवन रामकुई पर होगा।

सड़क पर गोबर बहाने पर नगर निगम की कार्रवाई

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में सड़क पर गोबर बहाकर गंदगी फैलाने वाले व्यक्ति के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य अधिकारी अजय ठाकुर द्वारा जोन क्रमांक 7 के वार्ड क्रमांक 3 अंतर्गत सरस्वती कोटेश्वर चौराहे पर निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को सड़क पर गोबर बहाते हुए पाया गया। इस पर संबंधित व्यक्ति के घर पहुंचकर 500 का चालान किया गया तथा भविष्य में इस प्रकार सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की हिदायत दी गई।

ग्वालियर में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ समारोहपूर्वक मना मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

देश के साथ मध्यप्रदेश को भी विकसित राज्य बनाने का लें संकल्प: विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि देश का हृदय मध्यप्रदेश तेजी के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अधोसंरचना एवं औद्योगिक विकास सहित मध्यप्रदेश का समग्र विकास हो रहा है। ग्वालियर में भी विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने आह्वान किया कि हम सब मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर यह संकल्प लें कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को भी देश के साथ विकसित राज्य बनायेंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर मध्यप्रदेश के 71वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ग्वालियर में आयोजित हुए जिला स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अपनी ओर से सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनायें दीं। स्थापना दिवस समारोह में सांसद भारत सिंह कुशवाह, जिला पंचायत की अध्यक्ष मती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, जीडीए के अध्यक्ष मधुसूदन सिंह भदौरिया, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन, महर्षि पतंजलि संस्थान के अध्यक्ष कौशल शर्मा, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, संत कृपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, साडा के उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश, जीडीए के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता व मेला प्राधिकरण उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह गुर्जर तथा अभय चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे। कार्यक्रम में कलेक्टर रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर आयुक्त नगर निगम टी प्रतीक राव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर, अपर कलेक्टर सी बी प्रसाद व अनिल बनवारिया समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। रविवार 01 नवम्बर को जिला प्रशासन के तत्वावधान में मेला परिसर में आयोजित हुए भव्य स्थापना दिवस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में ग्वालियर का नाम रोशन कर रहीं विभूतियों को सम्मानित किया गया। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किए गए। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के वैभव व लोक रंगों पर केन्द्रित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समा बांध दिया। समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों की योजनाओं पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई गई थीं। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में पिछले 20 वर्षों के दौरान विकास के हर क्षेत्र में बड़े आयाम स्थापित हुए हैं। बिजली, सोलर एनर्जी, उन्नत व जैविक खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा व सिंचाई सुविधाओं में क्रांतिकारी प्रगति हुई है। सोलर मिशन की गतिविधियों को मूर्तरूप देने में मध्यप्रदेश देश के अव्वल राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में अपरमित प्रगति हुई है। प्रदेश में पहले मात्र दो-तीन विश्वविद्यालय हुआ करते थे। अब प्रदेश में विश्वविद्यालयों की बड़ी संख्या हो गई है। इसी तरह पहले मात्र चार मेडीकल कॉलेज थे, अब 22 मेडीकल कॉलेज हैं, जिनकी संख्या शीघ्र ही 40 होने जा रही है। प्रदेश में वर्ष 2004 में मात्र 2900 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समा

ग्वालियर में आयोजित हुए स्थापना दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने मनमोहक रंग बिखेर। माधव संगीत महाविद्यालय की छात्रा सुश्री मुस्कान बघेल व छात्र श्री सोमिल कुशवाह ने पंडित बिरजू महाराज जी द्वारा रचित लखनऊ घराने के तराने पर द्रुत गति से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर समा बांध दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में इसी महाविद्यालय की छात्राओं ने गोंधल लोक नृत्य के माध्यम से देवी आराधना का मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद नागरिकों की इन प्रस्तुतियों को खूब सराहना मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत एवं सामपन राष्ट्रगान के साथ हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्री एस बी ओझा द्वारा किया गया।

लापता रितेश एक साल बाद भी मिस्ट्री बना:आंखों में आंसू लिए मां ने कहा- अब तो उम्मीद भी टूटी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।





ग्वालियर के मोहनपुर गांव से रहस्यमय ढंग से लापता हुआ 4 साल का 'रितेश पाल' पुलिस के लिए एक साल बाद भी 'मिस्ट्री' बना हुआ है। 1 नवंबर 2026 को मासूम के अपहरण को एक साल पूरा हो गया है। इस एक साल में ऐसी कौनसी जगह है जहां पुलिस या परिजन ने उसे तलाश नहीं किया। जब उस मां सपना पाल से बात की जिसका बेटा एक साल से लापता है तो उसने कहा कि अब तो उम्मीद भी टूट गई है कि मेरा 'रितेश' कभी मेरे पास आकर मां कहकर मुझे पुकारेगा और मेरी गोद में खेलेगा। सपना का कहना है कि ?बीते एक साल में मैंने 100 साल का दर्द झेला है। यह एक मां का कलेजा ही जानता है कि जिसका गोद में खेलता बेटा आंखों के सामने से चला गया हो और पुलिस उस पर ही शक करे तो उस पर क्या बीतती होगी। बेबस मां का दर्द- कम होती जा रही उम्मीद मासूम की मां सपना ने दर्द जताते हुए कहा कि हर गुजरते दिन के साथ बेटे के मिलने की उम्मीद कम होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी बड़े परिवार या व्यापारी का बच्चा होता तो पुलिस तुरंत तलाश कर लेती, लेकिन गरीब होने के कारण उनके मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि परिवार का शायद ही कोई सदस्य बचा हो, जिस पर शक न करते हुए पुलिस ने पूछताछ न की हो। पहले ने पहले ही दिन से मान लिया है कि बच्चा को हमने कहीं छुपा दिया है। बस यही कारण है कि बच्चा आज तक नहीं मिला है। दोपहर करीब 12:30 बजे घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था।

डबरा बायपास पर डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार बाइक, एक युवक की मौत और दूसरा गंभीर घायल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



डबरा बायपास हाईवे पर शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक बाइक से कहीं घूमने जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन कुछ ही देर बाद उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। हाईवे की एंबुलेंस दोनों को डबरा सिविल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने दीपक बाथम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल बबलू बाथम को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है। इस घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। वहीं, घायल युवक का अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलने पर सिटी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घूमने जाने की बात कहकर घर से निकले थे दोनों दोस्त जानकारी के अनुसार, डबरा नगर की बाथम कॉलोनी निवासी दीपक बाथम और बबलू बाथम शनिवार शाम को बाइक लेकर घर से निकले थे। परिजनों को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि कुछ समय बाद उनके साथ इतना बड़ा हादसा हो जाएगा।दोनों युवक घर से निकलने के बाद डबरा बायपास हाईवे की ओर पहुंच गए। हादसा रात के समय हुआ, जिसके चलते आसपास मौजूद लोगों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल मदद के लिए प्रयास शुरू किए।

69 करोड़ रुपये खर्च, फिर भी यातायात नियम तोड़ने वालों पर नहीं लग रही लगाम

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर सख्ती नहीं हो पा रही है। यही वजह है कि स्मार्ट सिटी द्वारा 31 चौराहों और तिराहों पर लगाए गए बुद्धिमान यातायात प्रबंधन तंत्र का असर नजर नहीं आ रहा है। इस तंत्र के माध्यम से पिछले पांच वर्षों में 1.90 लाख वाहन चालक बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए दर्ज किए गए हैं। इनमें कुछ वाहन ऐसे भी हैं, जिनके चालक नियम तोड़ने के मामले में आधा शतक और शतक तक लगा चुके हैं।इसके बावजूद यातायात पुलिस और परिवहन विभाग इन वाहन चालकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। स्मार्ट सिटी ने इस परियोजना पर 69 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसमें लगाए गए आधुनिक निगरानी कैमरे सड़कों पर नियम तोड़ने वाले वाहनों को दर्ज कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का दावा है कि चालान की सूची यातायात पुलिस को भेजी जा रही है, लेकिन इसके बाद भी जुर्माने की राशि वसूल नहीं हो पा रही है। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर भी सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। चालानों में सबसे अधिक मामले बिना सुरक्षा टोपी पहने वाहन चलाने और लाल बत्ती पार करने के हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से प्रतिदिन करीब 1,200 वाहन चालकों के चालान बनाए जा रहे हैं। सूची मिलते ही वाहन चालकों के अनुज्ञापत्र होंगे प्रतिबंधित क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग के अनुसार, बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के अनुज्ञापत्र प्रतिबंधित किए जाते हैं।

महिला की हत्या में 18 दिन बाद भी सुराग नहीं : ग्वालियर में रेलवे पटरी के पास मिला था शव, 8 जिलों से मांगी लापता महिलाओं की जानकारी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

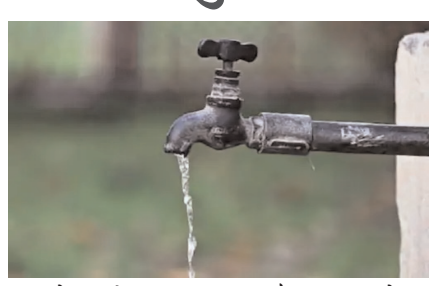


मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रेलवे पटरी के पास मिली अज्ञात महिला की हत्या की गुत्थी 18 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी नहीं सुलझी है। 13 अक्टूबर की सुबह महाराजपुरा थाना क्षेत्र के महू जमार गांव में झाड़ियों के बीच महिला का शव मिला था। मृतका की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष आंकी गई है। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले थे। पुलिस ने पहचान के लिए आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और निगरानी कैमरों के चित्रों की मदद ली, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। इसके बाद ग्वालियर पुलिस ने संभाग के सभी 8 जिलों से लापता महिलाओं की जानकारी मांगी है। शव की पहचान के लिए पुलिस ने किए कई प्रयास महिला का शव रेलवे पटरी के पास झाड़ियों में मिला था। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने से महिला की हत्या किए जाने की आशंका सामने आई। पुलिस के मुताबिक, पहचान मिटाने की नीयत से शव को वहां फेंका गया था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भी मृतका का सटीक चेहरा तैयार नहीं हुआ इस अंधे कत्ल का खुलासा करने के लिए पुलिस ने विधि विज्ञान और तकनीकी दल की मदद ली। मृतका के चेहरे के आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से चेहरा तैयार कराने का प्रयास किया गया। हालांकि, शव के अधिक सड़ जाने और चेहरा विकृत हो जाने के कारण तकनीक की मदद से भी सटीक चेहरा तैयार नहीं हो सका। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे 150 से अधिक निगरानी कैमरों के चित्रों की भी जांच कर चुकी है। इनके माध्यम से अज्ञात हत्यारों और उनके वाहन का सुराग तलाशने की कोशिश की गई। 8 जिलों से मांगी गई लापता महिलाओं की सूची पहचान की कोशिशों में सफलता नहीं मिलने के बाद ग्वालियर पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया है। ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक ने ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी 8 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आधिकारिक पत्र लिखा है।

सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियां, कमरे में बंद मिलीं बच्चियां

कंपनी का अल्टीमेटम: 8 करोड़ का भुगतान नहीं हुआ तो आज से 10 लाख आबादी की जलापूर्ति बंद

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



नगर निगम से जलापूर्ति के काम का भुगतान पाने के लिए पिछले दस महीने से इंतजार कर रही विष्णु प्रकाश पुंगलिया कंपनी के कर्मचारियों ने दीपोत्सव से ठीक पहले 1 नवंबर से काम बंद करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने नगर निगम आयुक्त से 8 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान की मांग की है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि यदि 1 नवंबर को सुबह 10 बजे तक भुगतान नहीं किया गया तो शहर के चारों जल शोधन संयंत्रों का संचालन बंद कर दिया जाएगा। ऐसा होने पर शहर की करीब 10 लाख आबादी के सामने पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। दीपोत्सव जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले जलापूर्ति ठप होने की आशंका ने नगर निगम की चिंता बढ़ा दी है। शहर के चारों जल संयंत्रों के संचालन के साथ जलापूर्ति, अमृत परियोजना-1 और वार्ड 1 से 60 तक की पुरानी पानी की पाइपलाइनों के रखरखाव और वाल्व बदलने की जिम्मेदारी अगले 10 वर्षों के लिए इसी कंपनी के पास है। कंपनी के करीब 200 कर्मचारियों ने एक दिन पहले बकाया भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। वहीं, भुगतान के लिए 23 अक्टूबर को नगर निगम आयुक्त को पत्र भी सौंपा गया था। इसमें अप्रैल से सितंबर 2025 तक के 61.35 लाख रुपये, जनवरी से जून 2026 तक के 4.74 करोड़ रुपये और जुलाई से सितंबर 2026 तक के 2.45 करोड़ रुपये बकाया बताए गए हैं। चार जल शोधन संयंत्रों का संचालन संभाल रही कंपनीविष्णु प्रकाश पुंगलिया कंपनी के पास शहर के जल शोधन और जलापूर्ति से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। कंपनी जलालपुर, तिघरा और मोतीझील स्थित संयंत्रों का संचालन कर रही है। मोतीझील में दो जल शोधन संयंत्र हैं। इन सभी संयंत्रों में पानी को साफ कर निर्धारित मानकों के अनुसार शहर में पहुंचाने का काम किया जाता है। इसके अलावा शहर की 101 से अधिक पानी की टंकियों की देखरेख और साफ-सफाई की जिम्मेदारी भी कंपनी के पास है। पानी की मुख्य आपूर्ति पाइपलाइनों और वितरण पाइपलाइनों का रखरखाव भी कंपनी के कर्मचारी करते हैं। कंपनी के कर्मचारी यदि काम बंद करते हैं तो इसका असर केवल जल शोधन संयंत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर की जल वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी की ओर से नगर निगम को दिए गए पत्र में अलग-अलग अवधि का बकाया भुगतान दर्शाया गया है। - अप्रैल से सितंबर 2025 तक: 61.35 लाख रुपये जनवरी से जून 2026 तक: 4.74 करोड़ रुपये। जुलाई से सितंबर 2026 तक: 2.45 करोड़ रुपये। कंपनी के अनुसार, कुल बकाया राशि करीब 8 करोड़ रुपये है। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण कर्मचारियों के वेतन और कामकाज से जुड़ी व्यवस्थाओं पर असर पड़ रहा है। इसी के चलते कर्मचारियों ने अब काम बंद करने की चेतावनी दी है। भुगतान की मांग को लेकर कंपनी के करीब 200 कर्मचारियों ने एक दिन पहले प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से काम कर रहे हैं, लेकिन समय पर भुगतान नहीं मिलने से परेशानी बढ़ रही है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में हुआ बदलाव

आकिब नबी को मिली जगह



बीसीसीआई ने जारी किया प्रेस रिलीज -

बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मेंस सेलेक्शन कमिटी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मैचों के लिए भी तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल कर लिया है। दाएं हाथ के यह तेज गेंदबाज पहले सिर्फ सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन अब वह पूरी वनडे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा बन गए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा चोट की वजह से इस वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में एक बार फिर बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं और अब उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को शुरुआती तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। पहले आकिब नबी को सिर्फ आखिरी के दो मुकाबलों के लिए ही चुना गया था, लेकिन अब कृष्णा के बाहर के बाद उन्हें पूरी सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने 31 अक्टूबर को इस बात की आधिकारिक जानकारी दी।

आकिब नबी वनडे में कर चुके हैं डेब्यू – आकिब नबी पहले ही भारत के लिए वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मैच में मौका मिला था, जहां वे कोई विकेट नहीं ले पाए और काफी महंगे साबित हुए थे। उस मैच में उन्होंने 84 रन लुटाए थे। जम्मू-कश्मीर के रहने वाले आकिब ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, और इसी दम पर उन्हें एक बार फिर टीम में जगह मिली है। उन्होंने पिछले साल जम्मू की टीम को रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

टीम इंडिया को यूएई ने हराया, 26 गेंदों में चेज किया 95 रन का टारगेट

टूर्नामेंट से हुई बाहर



हांगकांग । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पाकिस्तान से हारने के बाद उम्मीद थी कि टीम इंडिया यूएई को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत को यूएई के खिलाफ भी करारी हार का सामना करना पड़ा और टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यूएई के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 6 विकेट पर 94 रन बनाए, जिसमें टी. नटराजन ने 14 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। वहीं शशांक सिंह, नीतीश राणा और कप्तान क्रुणाल पांड्या जैसे बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। राहुल त्रिपाठी ने 7 गेंदों पर 21 रनों की तेज पारी खेली।

26 गेंदों में यूएई ने चेज किया टारगेट – जवाब में यूएई की टीम ने इस लक्ष्य को बिना कोई विकेट गंवाए बहुत आसानी से हासिल कर लिया। 95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम ने सिर्फ 26 गेंदों में ही मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला





जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

टेस्ट में कगिसो रबाडा का ऐतिहासिक मुकाम



सबसे तेज 350 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने

केपटाउन । साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच में खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के पांचवें दिन के खेल में मेजबान अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक ऐतिहासिक कारनामा अपने नाम दर्ज कराने में कामयाब हो गए। केपटाउन टेस्ट के चौथे दिन का खेल खत्म होने पर साउथ अफ्रीका की टीम अपनी दूसरी पारी में 387 रन बनाकर सिमट गई थी, जिसके साथ ऑस्ट्रेलिया को पांचवें दिन के खेल में अपनी दूसरी पारी में जीत के लिए 288 रनों का टारगेट मिला लेकिन पहले ही सेशन में उनकी शुरुआत काफी खराब रही जिसमें रबाडा ने पहले दो झटके देने के साथ ही जैसे ही ट्रैविस हेड के रूप में अपना तीसरा विकेट हासिल किया वह टेस्ट में अपने 350 विकेट पूरे करने में कामयाब हो गए, जिसके साथ ही इस तेज गेंदबाज ने अपने ही हमवतन खिलाड़ी डेल स्टेन का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ने में कामयाबी हासिल की।

सबसे कम गेंदों में 350 विकेट पूरे करने वाले बने रबाडा तेज गेंदबाज

केपटाउन टेस्ट में कगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में अपनी गेंद से कमाल दिखाने में कामयाब नहीं हो सके थे, जिसमें उनके खाते में सिर्फ एक विकेट आया था। वहीं उन्होंने कंगारू टीम की दूसरी पारी में शानदार वापसी करने के साथ पहले तीन विकेट काफी जल्दी पांचवें दिन के खेल में हासिल कर लिए। रबाडा अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 350 विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के ही पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन के नाम पर था, जिन्होंने 14719 गेंदों में यह कारनामा किया था। वहीं कगिसो रबाडा 13808 गेंदों में 350 टेस्ट विकेट पूरा करने में कामयाब हो गए।

टेस्ट में सबसे कम गेंदों में 350 विकेट पूरे करने वाले तेज गेंदबाज

- कगिसो रबाडा (साउथ अफ्रीका) – 13808 गेंद
- डेल स्टेन (साउथ अफ्रीका) – 14719 गेंद
- वकार यूनिस (पाकिस्तान) – 14905 गेंद
- मैलकम मार्शल (वेस्टइंडीज) – 16285 गेंद
- मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया) – 16908 गेंद

रबाडा ने 75वें टेस्ट में पूरे किए अपने 350 विकेट

कगिसो रबाडा ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट का आंकड़ा 75वें मुकाबले में पूरा किया, जिसमें वह इस मामले में संयुक्त रूप से मैलकम मार्शल के साथ चौथे तेज गेंदबाज बने हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर संयुक्त रूप से रिचर्ड हेडली और डेल स्टेन का नाम है, जिसमें दोनों ने 69 टेस्ट में यह कारनामा किया था, जबकि दूसरे नंबर पर 70 टेस्ट के साथ डेनिस लिली तो वहीं तीसरे नंबर पर 74 टेस्ट के साथ ग्लेन मैक्ग्रा का नाम है। रबाडा टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले साउथ अफ्रीका के लिए अब तक के सिर्फ चौथे गेंदबाज हैं, जिसमें उनसे पहले डेल स्टेन, शॉन पोलाक और मखाया एनटिनी यह कारनामा कर चुके हैं।

भारतीय टीम को WTC प्वाइंट्स टेबल में बांग्लादेश की हार से मिला फायदा



ढाका । बांग्लादेश की टीम अपने घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के साइकल का भी हिस्सा है। दोनों टीमों के बीच में टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेला गया और इसमें मेजबान बांग्लादेश की टीम को 8 विकेट से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज की जीत के साथ इसका सीधा फायदा भारतीय क्रिकेट टीम को WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में मिला जिसमें अब टीम इंडिया पांचवें पायदान से एक स्थान ऊपर चौथे नंबर पर पहुंच गई है और उसके लिए अब फाइनल में अपनी जगह बनाने का रास्ता थोड़ा आसान हो गया है।

बांग्लादेश को हार से हुआ नुकसान, टीम इंडिया 5वें नंबर पर पहुंची – वेस्टइंडीज की टीम को पहले टेस्ट मैच की चौथी पारी में ढाका के मैदान पर जीत हासिल करने के लिए 170 रनों का टारगेट मिला था, जिसको वह 2 विकेट के नुकसान पर आसानी से हासिल करने में कामयाब हो गए, जिसमें ब्रैंडन किंग ने 81 तो वहीं जॉन कैम्पबेल ने 49 रनों की अहम पारी खेली। बांग्लादेश को मिली इस मैच में हार के बाद अब वह WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जिसमें उनके कुल अंक प्रतिशत 55.56 से घटकर अब 47.62 हो गए हैं।

ध्रुव जुरेल ने बचाई टीम इंडिया की लाज

99 रन बनाकर नाबाद लौटे, टीम इंडिया का स्कोर 291/7



नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल 99 रन बनाकर नाबाद लौटे। मैच की शुरुआत में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बिना एक भी रन बनाए आउट होकर पवेलियन लौट गए। वह पारी के पहले ही ओवर में आउट हो गए थे।

सुदर्शन और पडिक्कल के बीच हुई 91 रनों की साझेदारी

पहला विकेट जल्दी गिरने के बाद साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की शानदार साझेदारी की, जिसमें सुदर्शन 41 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद पड्डिकल ने यश राठौड़ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े और टीम के स्कोर को 131 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर यश राठौड़ तीसरे विकेट के रूप में 13 रन बनाकर आउट हो गए। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 140 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली। वह 137 के स्कोर पर चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उनके आउट होने के तुरंत बाद स्मरण रविचंद्रन भी बिना खाता खोले शून्य पर पवेलियन लौट गए, और वाशिंगटन सुंदर भी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए।

- **ध्रुव जुरेल ने टीम इंडिया को संकट से निकाला बाहर** – एक समय 160 रन पर अपने 6 विकेट गंवाकर भारतीय टीम मुश्किल में थी, तब कप्तान ध्रुव जुरेल ने क्रीज पर टिककर पारी को संभाला। जुरेल ने मानव सुथार के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 62 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे टीम का स्कोर 222 रन तक पहुंच गया। सुथार 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान ध्रुव जुरेल और आकाशदीप (25 रन) ने मिलकर अब तक नाबाद 69 रनों की शानदार साझेदारी कर ली है, जिससे टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।

99 रन बनाकर नाबाद लौटे जुरेल

पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल अपने शतक से सिर्फ 1 रन दूर हैं और वह 155 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 99 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं। अब वह दूसरे दिन शतक पूरा करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड की गेंदबाजी की बात करें तो फ्रेजर शेट ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए, जबकि ब्रेट रैंडेल, जारोड मैके और जेडन लेनोक्स को एक-एक विकेट मिला।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।



पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।' युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है और इसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है।

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

वैभव सूर्यवंशी टीम में जगह पक्की करने के लिए बॉलिंग स्किल्स पर कर रहे हैं काम



बॉलिंग कोच ने किया खुलासा

नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी20 मैच से पहले ही इस बात की चर्चा होने लगी थी कि 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। उनके अंदर टैलेंट की कोई कमी नहीं है, लेकिन टीम में कड़ी टक्कर के चलते उन्हें लगातार मौका नहीं मिल पा रहा है। हालांकि ईशान किशन के चोटिल होने पर उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 में खेलने का मौका मिला था। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे मैच में तो उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर सिर्फ 6 ओवरों में ही 100 से ज्यादा रन जोड़ दिए थे। इतने धमाकेदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें अगले मैच से ड्रॉप होना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर साईराज बहुतुले ने किया बड़ा खुलासा

अब वैभव टीम में अपनी परमानेंट जगह बनाने के लिए पक्की करने के लिए एक नई स्किल पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जिसका खुलासा मैच के बाद स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने किया है। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने बताया है कि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी फिलहाल चुपचाप अपनी गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह हर दिन अपनी इस स्किल को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं और इसे लेकर पूरी तरह गंभीर भी हैं।

वैभव अपने बॉलिंग को लेकर बहुत सीरियस है- साईराज बहुतुले

साईराज बहुतुले ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि अभी भी कुछ समय और लगेगा। निश्चित रूप से वह अपनी बॉलिंग को लेकर बहुत उत्सुक है। वह बॉलिंग के मामले में अपना रूटीन वर्क करता है। हम उसके लिए ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आखिर में हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें उनका हक मिलेगा। लेकिन जब बॉलिंग की बात आती है, तो मुझे लगता है कि वह बहुत उत्सुक है। अगर वह अ20 में एक या दो ओवर डाल सकता है तो टीम के लिए काफी अच्छा होगा। लेकिन पर्दे के पीछे, वह इस दिशा में काम कर रहे हैं, और वह अपनी बॉलिंग को लेकर बहुत सीरियस हैं। क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 मैच में टीम इंडिया को 87 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 259 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया 20 ओवर बैटिंग करने के बाद 9 विकेट के सिर्फ 172 रन ही बना सकी।

'विषय विशेषज्ञ व्याख्यान माला का आयोजन'

महिला सशक्तिकरण के चार सूक्त-शिक्षा विवेक, ध्यान एवं चुनौतीः डॉ. अनिल दीक्षित

एक सत बुलेटिन, देहरादून

मायदेवी विश्वविद्यालय, देहरादून में डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन एवं स्कूल ऑफ़ लॉ के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित विषय विशेषज्ञ व्याख्यान में बोलते हुए डॉ. अनिल कुमार दीक्षित ने कहा कि महिला सशक्तिकरण हेतु जो चार सूक्त परम् आवश्यक है वो हैं - शिक्षा , विवेक , ध्यान एवं चुनौती और इसीलिए विद्यालय एवं विश्वविद्यालय की भूमिका अहम हो जाती हैं शिक्षा ही महिला की आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है। जब एक महिला शिक्षित होती है, तो वह न केवल अपना और अपने परिवार का भविष्य सुधारती है, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है, इतना ही नहीं शिक्षा ही महिला में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का उदय करती हैं शिक्षा महिलाओं में सही निर्णय लेने की क्षमता पैदा करती है। डॉ. अनिल दीक्षित ने कहा कि , पढ़ाई लिखाई और कौशल विकास से महिलाओं को बेहतर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलते हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं।शिक्षित महिलाएं अपने कानूनी अधिकारों, स्वास्थ्य और बच्चों की बेहतर परवरिश के प्रति अधिक जागरूक होती हैं एवं कुरीतियों जैसे कि,







बाल विवाह, दहेज प्रथा और लैंगिक भेदभाव आदि के खिलाफ लड़ने की ताकत रखती है। भारतीय संविधान द्वारा निर्देशित कानून सदैव स्कूलों और कार्यस्थलों तक महिलाओं की सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करता हैं इतना ही नहीं भारतीय संविधान महिलाओं को समानता, गरिमा, सुरक्षा और सशक्तिकरण प्रदान करने के लिए कई मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व और विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता, भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 महिलाओं को विधि के समक्ष समानता और विधियों के समान संरक्षण का अधिकार देता है तथा अनुच्छेद 15 उन्हें समाज में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है। संविधान के द्वारा ही, पंचायती राज संस्थाओं और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए कम से कम एक-तिहाई (1/3) सीटों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे राजनीतिक स्तर पर उनकी सुरक्षा और भागीदारी मजबूत होती है। व्याख्यान कि शुरुआत विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ.कल्पना विश्नोई द्वारा डॉ.अनिल दीक्षित का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर हुई , सहायक प्रोफेसर सुश्री नम्रता सेमवाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. दीक्षित का संछिप्त अकादमिक उपलब्धि परिचय प्रदान किया एवं सभी शिक्षको का व्याख्यान में शामिल होने पर स्वागत किया, व्याख्यान में यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओ सहित प्रोफेसर असद अहमद , डॉ. मुकेश कुमार, सुश्री भावना अरोरा , कुमार मयंक , डॉ. प्रमोद आदि शामिल हुए व्याख्यान के अंत में डॉ. मुकेश कुमार ने सभी का आभार अर्पित किया.

उल्लास के बीच मना मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस, तीन किसानों को मिले लाखों के पुरस्कार



एक सत बुलेटिन, इंदौर

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस रविवार को इंदौर में उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। राजेंद्र नगर स्थित लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित मुख्य समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मध्यप्रदेश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़क, सिंचाई, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश की तस्वीर बदली है। समारोह में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किए गए। विजयवर्गीय ने कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश की सिंचाई क्षमता करीब सात लाख हेक्टेयर थी। अब इसमें उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। प्रदेश में एक लाख किलोमीटर से अधिक अच्छी सड़कों का निर्माण किया गया है। सरकार का लक्ष्य सिंचाई का रकबा बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाना है। इससे किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से आदिवासी क्षेत्रों में भी खेती की स्थिति बदली है और किसान अब एक से अधिक फसलें ले पा रहे हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास के साथ सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर महाविद्यालय जौरा में विविध कार्यक्रम आयोजित, वल्लभ भाई पटेल के योगदान को किया याद



एक सत बुलेटिन, मुरैना

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रमेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा ने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। सभी ने देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा आपसी सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए श्भारत के राजनीतिक एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदानश् विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता एवं स्वतंत्रता के बाद देशी रियासतों के भारतीय संघ में विलय कराने में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही राष्ट्रीय एकता और सरदार पटेल के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर आधारित व्याख्यान भी आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल का दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी देश की एकता एवं अखंडता के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा, डॉ. सी.पी. विमल, प्रो. अशोक कुमार, प्रो. विनोद कुशवाह, प्रो. प्रफुल्ल चंद्र, प्रो. जितेंद्र कुमार, डॉ. अंकिता मिश्रा, पुस्तकालयाध्यक्ष कु. संध्या टैगोर, डॉ. नीलम राजपूत, श्री राजकुमार, श्री हेमंत पाराशर, श्री प्रशांत शर्मा, श्री मुलायम सिंह, श्री आशुतोष जैन, श्री विनोद दौनेरिया एवं श्री राजेंद्र प्रजापति सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर। हॉस्टल में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती ने अज्ञात कारणों के चलते होस्टल के अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। वह मूलतः लखनादौन सिवनी की निवासी थी। मामला भंवरकुआं थाना क्षेत्र का है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है वहीं युवती के परिजनों ने होस्टल संचालक महिला और एक युवक पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार मृतका युवती का नाम जूलिया पिता शैलेंद्र उइके उम्र बीस साल है वह इंदौर के हॉस्टल में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। शनिवार शाम वह अपने कमरे में फंदे पर लटकी मिली थी। इसके बाद हॉस्टल प्रबंधन के लोगों ने उसके परिवार को सूचना दी। जूलिया के पिता शैलेंद्र और मां ने आरोप लगाते पुलिस को बताया कि उनकी बेटी मई 2026 में पीसफुल हॉस्टल (देवेंद्र नगर) में रहने आई थी। यहां गर्ल्स हॉस्टल की जिम्मेदारी स्वाति और बॉयज हॉस्टल की जिम्मेदारी शुभम जायसवाल देखते थे। शुभम अक्सर स्वाति से बात करने गर्ल्स हॉस्टल आता था। इस पर जूलिया ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद उसकी स्वाति से बहस हुई थी। इसके बाद जब जूलिया को हॉस्टल से निकालने की बात कही गई, तो उसने इसकी जानकारी अपने परिवार को दी थी। इसके दो-तीन दिन बाद जूलिया की स्वाति और शुभम से फिर बहस हुई।

अमानक बीज पाए जाने पर जौरा की 5 बीज विक्रय फर्मों के लाइसेंस निलंबित

बाजरा बीज के नमूनों में निर्धारित मानक से कम मिला अंकुरण प्रतिशत, कृषि विभाग की कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, मुरैना

लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में तथा कृषि विभाग के उप संचालक श्री अनंत सड़ैया के मार्गदर्शन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीज गुण नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खरीफ वर्ष 2026 के दौरान जौरा की 5 बीज विक्रय फर्मों से लिए गए बीज नमूनों की जांच में अंकुरण प्रतिशत निर्धारित न्यूनतम मानक से कम पाए जाने पर संबंधित फर्मों के बीज विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। बीज निरीक्षक एवं पदेन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड जौरा द्वारा लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए बीज परीक्षण प्रयोगशाला, मुरैना भेजा गया था। प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसार मैसर्स जादौन कृषि सेवा केन्द्र सुमावली से बाजरा किस्म श्रीराम-8860, मैसर्स कृष्णा



बीज भंडार जौरा से बाजरा किस्म कृष्णा-8150, मैसर्स श्री दाऊजी बीज भंडार, बागचीनी रोड़, सुकलू का पुरा चौराह से बाजरा किस्म पीए-9001, मैसर्स रोहित बीज भंडार जौरा से बाजरा किस्म जे-222 तथा मैसर्स माँ कैलादेवी बीज भंडार जौरा से बाजरा किस्म पीए-9001 के नमूनों का अंकुरण प्रतिशत क्रमशः 67, 68 एवं 69, 69, 69 प्रतिशत पाया गया। संबंधित फर्मों को पूर्व में बीज विक्रय प्रतिबंधित करने के आदेश एवं कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए थे। जवाब प्रस्तुत नहीं करने तथा अमानक बीज के प्रकरणों के आधार पर विभाग ने बीज अधिनियम, 1966 की धारा 7 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए पांचों फर्मों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। लाइसेंस निलंबन अवधि में संबंधित फर्में बीज का विक्रय नहीं कर सकेंगी। उन्हें आदेश जारी होने के तीन दिवस के भीतर आवश्यक अभिलेखों सहित अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। निर्धारित अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए लाइसेंस निरस्त किए जाने की कार्रवाई की जा सकती है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे बीज खरीदते समय उसकी किस्म, अंकुरण क्षमता एवं पैकेट पर अंकित विवरण की जांच करें तथा पक्की रसीद अवश्य प्राप्त करें। अमानक बीज अथवा विक्रय में अनियमितता की जानकारी मिलने पर संबंधित कृषि अधिकारियों को सूचित करें।

8 नवंबर तक बस्तियों और सरकारी स्कूलों में बांटेंगे मिठाई, आतिशबाजी और खिलौने

एक सत बुलेटिन, इंदौर

जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां बांटने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल समाज इंदौर ने इस वर्ष भी सार्थक दीपावली अभियान शुरू किया है। 8 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान में समाज के सेवाभावी सदस्य शहर की विभिन्न बस्तियों और सरकारी स्कूलों में पहुंचकर बच्चों को मिठाई, आतिशबाजी और खिलौने भेंट करेंगे।

अभियान के प्रमुख संयोजक किशोर गोयल ने बताया कि वरिष्ठ समाजसेवी एवं अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल के मार्गदर्शन में रविवार को अभियान की शुरुआत की



गई। पहले दिन गांधी नगर धर्म टेकरी स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय के करीब 250 बच्चों को मिठाई, आतिशबाजी और खिलौने दिए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। गोयल ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसमें अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ, अग्रवाल समाज पश्चिमी क्षेत्र, विजय नगर अग्रवाल महासंघ, अग्रवाल समाज हाईवे क्षेत्र और राजू गोयल समाधान मित्र मंडल सहयोग कर रहे हैं। दीपावली के बाद शीतकाल में जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर और गर्म कपड़े भी वितरित किए जाएंगे। अभियान के तहत समर पार्क कॉलोनी ग्राम निपानिया स्थित शासकीय विद्यालय, नवलखा के श्यामाचरण शुक्ल नगर, पालदा की पवनपुरी कॉलोनी, कुंदन नगर गली नंबर पांच, कैट रोड स्थित प्रेमादेवी पब्लिक स्कूल, अहीरखेड़ी कांकड़ के शासकीय प्राथमिक विद्यालय, महू गौशाला क्षेत्र स्थित सेवा धारा फाउंडेशन और अग्रवाल समाज हाईवे क्षेत्र के वरुण विक्ट्री परिसर में सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

60 लाख की धोखाधड़ी मामले में दंपति के खिलाफ केस दर्ज, एक जमीन पर कई बैंकों से लिया लोन, बैंक कर्मचारियों को दी धमकी

इन्दौर। 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के मामले में क्राइम ब्रांच ने दंपती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपी दंपती ने फाइनेंस कंपनी सोलफुल निधि लिमिटेड से लोन लेने के बाद उसी जमीन को दूसरे लोगों को बेच दिया। लोन की राशि वापस मांगने पर पैसे देने से इनकार कर कंपनी संचालक को धमकी दी। पुलिस के अनुसार सोलफुल निधि लिमिटेड के संचालक शरद कुमार पोरवाल ने शिकायत दर्ज कराते पुलिस को बताया कि हकीमुद्दीन सैफी और उसकी पत्नी फातिमा सैफी निवासी क्रिस्टल अपार्टमेंट, बिजलपुर ने 21 दिसंबर 2022 को बिजलपुर के पटवारी हल्का नंबर 10 स्थित अपना प्लॉट नंबर 461, मस्किन-ए-सैफिया गिरवी रखकर 60 लाख रुपए का लोन लिया था। प्लॉट का क्षेत्रफल 1,500 वर्गफीट है। लोन लेने के बाद उन्होंने निर्धारित अवधि में किस्तों और मूल राशि का भुगतान नहीं किया। इस पर कंपनी ने उन्हें नोटिस भेजे और संपर्क करने का प्रयास किया। इस दौरान कंपनी को पता चला कि आरोपियों ने 5 दिसंबर 2023 को गिरवी रखी संपत्ति की कथित तौर पर फर्जी और कूटरचित रजिस्ट्री तैयार कर उसे हुसैना रसूलवाला और ज़हरा रसूलवाला को बेच दिया। वहीं यह बात भी सामने आई कि आरोपी दंपती ने इसी आवासीय संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार कर चार-पांच अन्य बैंकों और निजी व्यक्तियों से भी लोन लिया था।तीसरे पक्ष द्वारा अनधिकृत रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा है।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण संपन्न

दस्तावेजीकरण, संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और सामाजिक सरोकारों पर हुआ मंथन

एक सत बुलेटिन, मुरैना

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन) विकासखंड मुरैना के माता बसैया सेक्टर क्रमांक-04 अंतर्गत नवांकुर संस्था मुरैना यूथ अकादमी द्वारा ग्राम पंचायत अजनौधा के पंचायत भवन में प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सेक्टर क्रमांक-04 के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं नवांकुर सखी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अनिल मोदी, नवांकुर संस्था मुरैना यूथ अकादमी के प्रतिनिधि संदीप सेंगर, मेंटर श्रीमती सायरा जैन तथा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के जिला समन्वयक एवं प्रशिक्षक सभाराम सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। चार सत्रों में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान प्रस्फुटन समितियों के संगठनात्मक एवं वैधानिक दस्तावेजों के संधारण, पंजीयन प्रक्रिया, अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव तथा कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें अधिक संगठित,



पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना रहा। विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया गया कि संस्था के नियमित कार्यों, बैठकों, गतिविधियों एवं सामाजिक अभियानों का उचित दस्तावेजीकरण किस प्रकार किया जाना चाहिए। नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि श्री संदीप सेंगर ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम छोर के पात्र हितग्राही तक पहुंचाने में प्रस्फुटन समितियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समितियां ग्रामीणों और शासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर सकती हैं। इसके लिए प्रभावी संवाद कौशल, नियमित जनसंपर्क, सामुदायिक सहभागिता तथा योजनाओं की सही जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने समितियों को एक सशक्त स्वयंसेवी संगठन के रूप में विकसित करने, संगठनात्मक क्षमता बढ़ाने और सामाजिक गतिविधियों को निरंतर संचालित करने के तौर-तरीकों की जानकारी भी दी। प्रशिक्षक श्री सभाराम सिंह ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देते हुए नशामुक्त समाज निर्माण, बाल विवाह की रोकथाम, कुपोषण उन्मूलन, स्वच्छता प्रबंधन एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए केवल प्रशासनिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। प्रस्फुटन समितियां गांवों में जनजागरूकता गतिविधियां संचालित कर इन समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

गरीब, किसान, युवा और महिलाओं का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मप्र की समृद्ध विरासत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार : मंत्री राजपूत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



किसान, युवा, महिलाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है, मध्यप्रदेश विकासशील राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह बातें 71वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय सागर में आयोजित समारोह में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश केवल भारत के नक्शे पर बना एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आत्मा, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत स्वरूप है। यह राजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, सम्राट अशोक के इतिहास, रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के शौर्य एवं बलिदान की भूमि है। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन, भगवान श्रीराम के वनगमन पथ, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम और भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों से यह धरती आध्यात्मिक गौरव रखती है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की कल-कल बहती धारा, विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाएं, कान्हा और बांधवगढ़ के वन, खजुराहो की अद्भुत कला तथा सांची का विश्वविख्यात इतिहास मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। हमारा प्रदेश विविधताओं में एकता, परंपरा में आधुनिकता और संस्कृति में समरसता का अद्भुत उदाहरण है। मंत्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई थी और आज हम अपने प्रदेश के 71वें स्थापना दिवस का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती की सभी को बधाई देते हुए कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल ने देश का एकीकरण किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को भारत का हृदय प्रदेश और सागर को मध्यप्रदेश के हृदय कहा जाता है, यही हमारा गौरव है। आज किसान, युवा, महिलाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है और विकासशील राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है। आज मप्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज मध्यप्रदेश में निवेश, उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक आदर्श राज्य बनाएं। आइए, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने फायर ब्रिगेड मुख्यालय का किया निरीक्षण

पटाखा बाजारों में 24 घंटे तैनात रहेगा अग्निशमन अमला, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



दीपावली के मद्देनजर पटाखा बाजारों में अग्नि सुरक्षा और नागरिकों की आवाजाही सुगम बनाए रखने के लिए नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने रविवार को लिली टॉकीज क्षेत्र स्थित पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी पटाखा बाजारों में पर्याप्त अग्निशमन संसाधन उपलब्ध रखने और प्रशिक्षित अमले की 24 घंटे तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने दुकानदारों को निर्धारित सीमा के भीतर ही दुकानें लगाने की हिदायत दी। साथ ही बाजार की सड़कों और आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा आवागमन में बाधा नहीं आने देने को कहा। उन्होंने शहर के अन्य क्षेत्रों में संचालित पटाखा बाजारों की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। इसके बाद आयुक्त ने यातायात पार्क स्थित नगर निगम के फायर ब्रिगेड मुख्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध दमकल वाहनों, संसाधनों और कर्मचारियों की जानकारी लेते हुए अग्नि दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने फायर अमले को सदैव तत्पर रखने और उपलब्ध संसाधनों का पूरी क्षमता से उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अमन मिश्रा, उपायुक्त चंचलेश गिरहारे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग और अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने पटाखा बाजारों में व्यवसायियों को अतिक्रमण नहीं करने और गंदगी नहीं फैलाने की समझाइश भी दी।

संभाग आयुक्त की NDPS में बड़ी कार्रवाई, एक और ड्रग्स तस्कर इंदौर जेल भेजा गया

भोपाल



मध्यप्रदेश में ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने एक और आदतन तस्कर के विरुद्ध PIT NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आयुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनावेदक जीवन सिंह राजपूत पिता मालम सिंह राजपूत, उम्र 35 वर्ष, निवासी शिवनगर, नाथू बरखेड़ा, थाना रातीबड़, भोपाल के विरुद्ध स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 के अंतर्गत निरोध आदेश जारी किया गया था। कार्यालयीन आदेश दिनांक 27.10.2026 के परिपालन में पुलिस आयुक्त, भोपाल की टीम द्वारा आरोपी को विधिवत वारंट तामील कराया गया और प्राप्ति अभिस्वीकृति ली गई। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 28 अक्टूबर को केन्द्रीय जेल, इंदौर में दाखिल कर दिया गया है। इस संबंध में आयुक्त भोपाल संभाग श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा सचिव, गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन को प्रतिवेदन प्रेषित कर दिया दिया गया है।

'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' संकल्प के साथ जबलपुर में आज भाजपा की विशाल पदयात्रा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भारतीय जनता पार्टी की ओर से 2 नवंबर को जबलपुर में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' संकल्प के साथ विशाल पदयात्रा निकाली जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह शामिल होंगे। पदयात्रा दोपहर 3 बजे शहीद स्मारक, गोल बाजार से शुरू होगी। यह मालवीय चौक, लॉर्डगंज, बड़ा फुहारा, तुलाराम चौक और करमचंद चौक होते हुए पुनः शहीद स्मारक पहुंचेगी। भाजपा के अनुसार, पदयात्रा में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह और संतोष बरकड़े सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारी और खेल संगठनों के प्रतिनिधियों, शहर के गणमान्य नागरिकों तथा मातृशक्ति की भागीदारी भी रहेगी। पार्टी ने पदयात्रा में करीब एक लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया है।

महापौर मालती सेमराकला में जागरूकता रैली के समापन कार्यक्रम में हुई शामिल

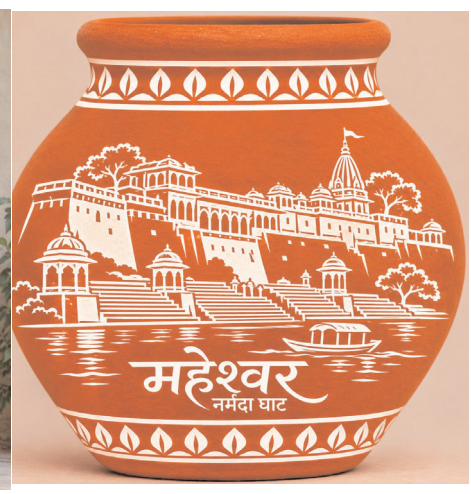
भोपाल। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर रविवार को सेमराकला स्थित मानवेन्द्र विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जागरूकता रैली के समापन कार्यक्रम में महापौर मालती राय शामिल हुईं। उन्होंने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। द्वइस अवसर पर महापौर ने उपस्थित लोगों से सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने उनके योगदान और विचारों को याद करते हुए समाज में एकता एवं जागरूकता की भावना मजबूत करने की बात कही। कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष सूर्यकांत गुप्ता, गणमान्य नागरिक और जागरूकता रैली आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।



गोहर महल में माटीकला टेराफेस्ट में कुम्हारों संग विद्यार्थियों ने मिट्टी पर उकेरी विरासत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





गौहर महल में आयोजित माटीकला टेराफेस्ट-2026 में रविवार को पारंपरिक माटीकला और आधुनिक चित्रकला का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले के अंतर्गत विशेष लाइव पेंटिंग कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पारंपरिक कुम्हार कलाकारों के साथ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के ललित कला विभाग के प्रोफेसर आलोक भावसार, अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में मिट्टी के बर्तनों पर रंगों के माध्यम से मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को जीवंत किया गया। कार्यशाला के दौरान मिट्टी के उत्पादों पर प्रदेश के ऐतिहासिक किले, महेश्वर के घाट, खजुराहो के मंदिर, भीमबेटका की शैलकला, जनजातीय कला और प्राकृतिक दृश्यों को चित्रित किया गया। इसके साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित मध्यप्रदेश की थीम को भी कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक शिल्पियों से मिट्टी के बर्तनों की बनावट और उनकी सतह पर चित्रकारी की बारीकियां सीखीं। मिट्टी में साकार हुआ गोकुल धाम कार्यशाला का एक प्रमुख आकर्षण भगवान श्रीकृष्ण और राधा के साथ गोकुल धाम की कलात्मक प्रस्तुति रही। मिट्टी की मूर्तियों और प्राकृतिक सजावट के माध्यम से तैयार इस दृश्य में भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था की झलक देखने को मिली। कलाकारों ने पारंपरिक शिल्प के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। मेले में बच्चों के लिए भी विशेष गतिविधि आयोजित की गई। उन्होंने पारंपरिक कुम्हारों के मार्गदर्शन में चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया सीखी और स्वयं पॉटरी तैयार की। बच्चों में इस गतिविधि को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। उल्लेखनीय है कि माटीकला टेराफेस्ट का उद्देश्य पारंपरिक कुम्हारों को आधुनिक डिजाइन, नए बाजार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। कार्यशाला के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्प से परिचित कराने का प्रयास किया गया। आयोजन ने वोकल फॉर लोकल, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने का संदेश भी दिया।

कान का झुमका गुमने से परेशान विवाहिता ने लगाई फांसी

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में स्थित बीडीए कॉलोनी सलैया में रहने वाली 40 साल की विवाहिता ने शनिवार दोपहर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती छानबीन में सामने आया है कि करवाचौथ पर श्रृंगार के दौरान उसके कान का गुम हो गया था। इसके बाद से वह काफी गुमसुम और परेशान रहने लगी थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, सही कारणो का खुलासा जॉच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस के अनुसार रेखा बाई पत्नी धनवीर सिंह धाकड़ (40) घरोंदा, बीडीए कॉलोनी सलैया में रहती थीं, और गृहणी थीं। उनके पति चायनीज फूड की दुकान लगाते हैं। परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि मझली बेटी और छोटा बेटा स्कूल में पढ़ते हैं। शनिवार को दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे धनवीर बच्चों को लेने स्कूल चले गए। बाद में करीब एक बजे जब वह घर लौटे तो कमरे का दरवाजा भीतर से बंद मिला। जैसे तैसे वह दरवाजा खोलकर भीतर पहुचें तो पत्नि रेखा का शरीर पंखे पर बने दुपट्टे के फंदे पर लटका नजर आया। फंदे से उतारकर अस्पताल पहुचांया गया, जहां डॉक्टरों ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सृजन कार्यक्रम की प्रेरक गतिविधियां प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में होंगी शामिल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्यप्रदेश पुलिस सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहभागिता को मजबूत करने के साथ ही बच्चों और किशोर-किशोरियों को सुरक्षित, जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2022 में प्रारंभ किया गया 'सृजन' कार्यक्रम वंचित वर्गों के किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास निर्माण और सुरक्षा जागरूकता का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस पहल के अंतर्गत बच्चों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ जीवन कौशल, कानूनी अधिकारों, स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाता है, ताकि वे स्वयं की सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए समाज की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।
इसी क्रम में 31 अक्टूबर 2026 को थाना कमला नगर, पुलिस विभाग एवं उदय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के ऑडिटोरियम, कोटरा, भोपाल में सृजन प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 सृजन किशोर-किशोरियों, शक्ति समिति के सदस्यों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा विशिष्ट अतिथि डीआईजी सामुदायिक पुलिसिंग श्री विनीत कपूर उपस्थित रहे। इनके साथ एसीपी श्रीमती अंकिता खातरकर, थाना प्रभारी कमला नगर सुश्री निरुपा पाण्डेय, उप निरीक्षक श्री संजय वर्मा, सृजन ट्रेनर कोर टीम के सूबेदार श्री ऋतुराज वारीवा, श्री गोविन्द पाल एवं श्री अनुज तोमर सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं उदय संस्था की टीम उपस्थित रही।
मुख्य अतिथि विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने सृजन के किशोर-किशोरियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास की सराहना की। उन्होंने सृजन कार्यक्रम की गतिविधियों को प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल किए जाने की बात कही। डीआईजी सामुदायिक पुलिसिंग श्री विनीत कपूर ने विधायक श्री सबनानी से सृजन कार्यक्रम की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों को नीतिगत बैठकों में साझा करने का आग्रह किया, ताकि इस पहल का लाभ प्रदेश के अधिकाधिक वंचित वर्गों के बच्चों तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम में सृजन कोर टीम के सूबेदार श्री ऋतुराज वारीवा ने योजना की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्यों की जानकारी दी।

दीपावली से पहले नरेला विधानसभा में वृहद सफाई अभियान शुरू, 1 से 5 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने श्रमदान कर सफाई मित्रों का किया उत्साहवर्धन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

दीपावली के पावन पर्व से पहले नरेला विधानसभा क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से रविवार को वृहद विशेष सफाई अभियान का शुभारंभ हुआ। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री तथा नरेला विधायक श्री विश्वास कैलाश सारंग ने स्वयं श्रमदान कर अभियान की शुरुआत की और सफाई मित्रों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। यह अभियान 1 से 5 नवंबर तक विधानसभा क्षेत्र के समस्त वार्डों में संचालित किया जाएगा।

प्रतिदिन लगभग 1000 सफाई मित्र करेंगे सफाई- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि दीपावली से पहले पूरे नरेला विधानसभा क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रतिदिन लगभग 1000 सफाई मित्र विभिन्न वार्डों में व्यापक स्तर पर सफाई कार्य करेंगे। अभियान में आधुनिक मशीनों और संसाधनों का उपयोग करते हुए सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य प्रमुख स्थानों की सफाई की जाएगी। सफाई अभियान के लिए रोड स्वीपिंग मशीन, फॉगिंग मशीन, डंपर, जेसीबी और पोकलेन मशीनों की सहायता ली जाएगी। अभियान का उद्देश्य दीपावली से पहले क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करना और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है।

सफाई मित्रों की मेहनत को किया नमन मंत्री श्री सारंग ने सफाई मित्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि भोपाल शहर और नरेला विधानसभा क्षेत्र में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था दिखाई देती है। सफाई मित्र प्रतिदिन पूरी निष्ठा के साथ शहर को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। त्योहार के अवसर पर उनके योगदान का महत्व और भी बढ़ जाता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सफाई मित्रों का सम्मान और उनका उत्साहवर्धन करना हम सभी का दायित्व है। दीपावली से पहले विशेष सफाई अभियान के माध्यम से पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री सारंग ने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा सड़कों पर न फेंकें और नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही कचरा एकत्रित करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन के प्रयासों के साथ नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है। मंत्री श्री सारंग ने नागरिकों से इस दीपावली पर अपने घर-आंगन के साथ-साथ आसपास के परिवेश को भी स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि स्वच्छता की रोशनी हर गली, हर मोहल्ले और हर वार्ड तक पहुंचे। जनसहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित भोपाल का निर्माण संभव है।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088